छ.रा.विद्युत कम्पनी मर्या. की गृह पत्रिका

संकल्प

मार्च-अप्रेल-2011 वर्ष - 07 अंक - 08

EYE ON DEVELOPMENT OF CHHATTISGARH

छ.रा. विद्युत कम्पनी मर्या.

प्रदेश में विद्युत प्रगति का पटल

	नवम्बर 2000	अप्रेल 2011
ताप विद्युत क्षमता	1240 मेगावॉट	1786 मेगावॉट
जल विद्युत क्षमता	120 मेगावॉट	138.70 मेगावॉट
कुल ताप, जल विद्युत क्षमता	1360 मेगावॉट	1924.70 मेगावॉट
क्षमता वृद्धि	---	564.70 मेगावॉट
अति उच्चदाब केन्द्रों की संख्या	27 नग	69 नग
अति उच्चदाब लाइनों की संख्या	5205 सर्किट कि.मी.	8116.30 सर्किट कि.मी.
33/11 के.व्ही. उपकेन्द्रों की संख्या	248 नग	691 नग
33 के.व्ही. लाइनों की लंबाई	6988 सर्किट कि.मी.	14853 सर्किट कि.मी.
11/0.4 के.व्ही. उपकेन्द्रों की संख्या	29692 नग	69996 नग
11 के.व्ही. लाइनों की लंबाई	40556 कि.मी.	66525 कि.मी.
निम्न दाब लाइनों की लंबाई	51314 कि.मी.	117023 कि.मी.
केपेसिटर स्थापित	94 एमव्हीआर	934 एमव्हीआर
विद्युतीकृत ग्रामों की संख्या	17910	19177
विद्युतीकरण का प्रतिशत	91.00	97.12
विद्युतीकृत मजराटोलों की संख्या	10375	23531
विद्युतीकृत पम्पों की संख्या	72400	287108
एकलबत्ती कनेक्शन	630389	1474645

संकल्प

छ.रा. विद्युत कम्पनी मर्या. की गृह पत्रिका

मार्च – अप्रेल वर्ष – 07 अंक–08

संरक्षक

श्री पी. जॉय उम्मेन	:	अध्यक्ष
श्री एस.एन. चौहान	:	प्रबंध संचालक (होल्डिंग कं. मर्या.)
श्री व्ही.के. श्रीवास्तव	:	प्रबंध संचालक (उत्पादन कं. मर्या.)
	:	प्रबंध संचालक (ट्रेडिंग कं. मर्या.)
श्री जी.एस. कलसी	:	प्रबंध संचालक (ट्रांसमिशन कं. मर्या.)
श्री सुबोध कुमार सिंह	:	प्रबंध संचालक (वितरण कं. मर्या.)

सलाहकार सम्पादक

श्री कैलाश नारनवरे : महाप्रबंधक (मा. सं.)

सम्पादक

श्री विजय कुमार मिश्रा :.....जनसम्पर्क अधिकारी

सहयोग

श्री जाबीर मोहम्मद कुरैशी

छायाकार

श्री संजय टेम्बे

पता

सम्पादक – संकल्प

जनसम्पर्क अधिकारी

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत होल्डिंग कं. मर्या.

डंगनिया, रायपुर (छ.ग.)

संकल्प में प्रकाशित लेख में व्यक्त विचार लेखकों के हैं,
सम्पादक मण्डल उससे सहमत हों, यह जरूरी नहीं है.
किसी प्रकार के विवाद के लिए न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र रायपुर होगा .

विषय सूची

सम्पादकीय ----------02
मान. मुख्यमंत्री ने ----------03
श्री पी. जॉय उम्मेन ----------04
सहायक अभियंता----------04
88.99 प्रतिशत पीएलएफ ----------05
विद्युत वितरण कंपनी के ----------05
सेवानिवृत्त प्रबंध निदेशक ----------06
उत्पादन कंपनी के----------06
ग्रिड टेक 2011 ----------07
रायपुरा एवं हाऊसिंग बोर्ड ----------07
400 के.व्ही. क्षमता ----------08
मानव संसाधन के प्रति ----------08
अखिल भारतीय विद्युत----------09
पॉवर कम्पनी में ----------10
सेवानिवृत्त कार्यपालक ----------10
मानव संसाधन के----------11
नवनियुक्त अभियंताओं ----------12
सेवानिवृत्त कार्यपालक निदेशक ----------12
पॉवर वितरण कंपनी से----------13
सेवानिवृत्त अधिकारियों----------13
पॉवर कंपनी में ----------14
कोरबा पूर्व में तनाव प्रबंधन ----------14
पूर्व सेवानिवृत्त----------14
राजनांदगांव में ----------15
डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी----------15
श्रद्धांजलि ----------15
हसदेव बांगो जल ----------16
कोरबा पूर्व में ----------16
कोरबा पूर्व में कर्मियों के ----------17
सौ साल का हुआ----------17
चिन्ता रहित जीवन ----------18
उपयोगी चीजें ----------18
डीएसपीएम ताप ----------19
हमारे गौरव ----------19
डीएसपीएम ताप विद्युत गृह ----------20
गणगौर----------20
सीधी सच्ची बात ----------21
क्या लिखूं----------21
तनावमुक्त जीवन व शून्य ----------22
डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी----------22
अनबूझे तीर ----------23
मुंह चिढ़ाती महंगाई----------24
सफलता का रास्ता ----------24

सम्पादकीय..... अर्थ के लिये कुछ करें, अन्यथा अनर्थ हो जायेगा

कहते हैं कि जब बच्चा रोता है तो मॉ उसे दूध पिलाती है, पर जब सिर्फ स्वार्थ के लिये रोने का दिखावा करें तथा आवश्यकता से अधिक की चाह में मॉ को काटने–कुरेदने लगे तो मॉ भी आक्रोश व्यक्त करती है। भूकंप, ज्वालामुखी, सुनामी जैसी प्राकृतिक अपदायें इस बात की गवाह है। प्राकृतिक संसाधनों का निरन्तर बेरहमी के साथ दोहन करके प्रकृति–पृथ्वी के संतुलन को बिगाड़ने का खेल अब कहर बनकर बरसने का संकेत दे रहा है। 11 मार्च 2011 को जापान में दिखी प्रकृति की प्रलयलीला इसका जीवन्त प्रमाण है।

बढ़ती जनसंख्या, घटते जलस्रोत, मृदा की घटती उर्वरता पारंरिक – गैर पारंरिक ऊर्जा के सिमटते भण्डार, जलवायु परिवर्तन चीख–चीख कर कह रहे हैं कि अर्थ के लिये कुछ करें, वरन् अनर्थ हो जायेगा, किन्तु लालच की चासनी में सनी स्वार्थी जीभ इससे बेखबर लगातार धरती माता के दोहन में लिप्त है। यही वजह है कि बढ़ती जनसंख्या के जीवनयापन हेतु अनिवार्य संसाधनों की मांग अब धरती पर उपलब्ध संसाधनों से अधिक होती प्रतीत हो रही है, जो कि चादर से बाहर पैर पसारने का ही दुष्परिणाम है।

जापान में आये सदी के सबसे बड़े भूकम्प को दुनिया भर के लोगों ने दूरदर्शन पर जीवंत देखा। इस प्राकृतिक आपदा की तीव्रता 8.9 आंकी गई। भूकम्प के साथ साथ बत्तीस फीट ऊॅची उठी सुनामी की लहरें तमाम वैज्ञानिक प्रगति को ललकारती, सुरक्षा की दीवार पर सेंध मारती बता गई कि प्रकृति की विशालता–विराटता के आगे मनुष्य कितना असहाय और बौना है।

प्राकृतिक आपदायें–दुर्घटनायें हॉहॉकार मचाती कहती है कि भविष्य को सुरक्षित रखने अब जाग जाओ। जागते हुये सोने का स्वांग रचने वालों को सचेत करती है। विचारकों, वैज्ञानिकों और आपदाग्रस्त सहित दुनिया के जन जन को प्रकृति के साथ हो रहे खिलवाड़ को रोकने के लिये वह आगाह करती है। ये समय रहते सम्भलने का मौका भी देती है और यह भी बताती है कि अगर समय रहते न सम्भले तो एक दुर्घटना, दूसरी अन्य दुर्घटनाओं को भी जन्म दे देगी।

त्रासदी, आपदा, दुर्बलता मानव जीवन के अहम हिस्से हैं. छोटे बड़े रूप में इनका सामना जीवन के किसी न किसी मोड़ पर होना सुनिश्चित है। ऐसी घड़ी में भगदड़, बदहवासी से दूर जापानवाससियों की भॉति साहस, सूझबूझ और सजगता को बनाये रखने में ही समझदारी है। ऐसी समझदारी जोखिम भरे पल में जोश और जज्बे को भी सतत् बरकरार रखती है।

भूकम्प एवं सुनामी जैसी भयावह त्रासदी से जूझने वाले जापानियों के जीवन को देखकर यही लगता है कि खुशी उन्हें नहीं मिलती जो जिन्दगी अपनी शर्तों पर जीते हैं, बल्कि खुशी उन्हें मिलती है जो दूसरों की खुशी के लिए अपनी जिदंगी की शर्तों को बदल देते हैं। इन अर्थों में प्राकृतिक आपदाओं, दुर्घटनाओं को "ट्रेफिक सिग्नल" कहा जा सकता है, जो सदैव अनुशासित गति के साथ प्रगति के लिये सचेत करती है।

विजय मिश्रा

मान. मुख्यमंत्री ने की मड़वा एवं कोरबा पश्चिम ताप विद्युत परियोजनाओं की समीक्षा

मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने आज यहां विधानसभा परिसर स्थित समिति कक्ष में 600 मेगावाट उत्पादन क्षमता की निर्माणाधीन मड़वा ताप विद्युत परियोजना एवं कोरबा पश्चिम में 500 मेगावाट की इकाइयों के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की । छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी की यह परियोजना जांजगीर-चांपा जिले में ग्राम मड़वा में एवं कोरबा पश्चिम में निर्माणाधीन है । इन प्रस्तावित ताप विद्युत परियोजनाओं से विद्युत उत्पादन क्रमशः नवम्बर 2012 एवं जून 2012 एवं सितम्बर 2012 में प्रस्तावित है ।

मुख्यमंत्री ने बैठक में उपस्थित इन परियोजनाओं से जुड़े अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए । बैठक में कम्प्यूटर आधारित प्रस्तुतिकरण के माध्यम से अब तक हुए कार्यों एवं उनकी प्रगति की जानकारी दी गयी । इस अवसर पर मुख्य सचिव एवं छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनियों के अध्यक्ष श्री पी. जॉय उम्मेन, छत्तीसगढ़ शासन के ऊर्जा विभाग के सचिव श्री अमन कुमार सिंह, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री सुबोध कुमार सिंह, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के प्रबंध संचालक श्री व्ही.के. श्रीवास्तव, भारत हैवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड (बी.एच.ई.एल.) के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक श्री बी. प्रसाद राव के अलावा परियोजना से जुड़े अन्य वरिष्ठ अधिकारी, निर्माण एजेंसी से जुड़े प्रतिनिध उपस्थित थे ।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि इन निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा समय-समय पर विभिन्न स्तरों पर की जाती है । आज के कम्प्यूटर आधारित प्रस्तुतिकरण में कार्यों की वर्तमान स्थिति एवं भावी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई । समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी से जुड़े प्रतिनिधियों को निर्देश दिए कि सभी आवश्यक ड्राईंग का अनुमोदन तकनीकी सलाहकारों से एक सप्ताह में किया जावे एवं अन्य ड्राईंग का अनुमोदन शीघ्रता से करने हेतु विद्युत उत्पादन कंपनी के प्रबंध संचालक एक निश्चित कार्यक्रम बनाकर इसकी समीक्षा करें ताकि तीनों इकाइयों से विद्युत उत्पादन पूर्व निर्धारित कार्य योजना के अनुसार समय पर हो सके ।

मुख्यमंत्री ने बी.एच.ई.एल. के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक को सलाह दी कि छत्तीसगढ़ में आने वाले समय में लगभग 50 हजार मेगावाट की विद्युत परियोजनाएं प्रस्तावित है । इसलिये बी.एच.ई.एल. छत्तीसगढ़ में अपना कारखाना लगाए जाने पर विचार करे । कारखानों के लिए आवश्यक जमीन एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु मुख्य सचिव ने आश्वासन दिया ।

श्री पी.जॉय उम्मेन डब्लू.आर.पी.सी. के अध्यक्ष एवं श्री कलसी तकनीकी समिति के प्रमुख मनोनीत

भारत सरकार के केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण के अधीन कार्यरत पश्चिम क्षेत्रीय विद्युत समिति (वेर्स्टन रीजनल पॉवर कमेटी) में छत्तीसगढ़ शासन के मुख्य सचिव सह छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कम्पनी के चेयरमेन श्री पी0जॉय उम्मेन, भा.प्र.से. को अध्यक्ष बनाया गया है। उन्होंने इस पद पर 01 अप्रेल 2011 से वर्ष 2011–12 तक की अवधि हेतु अध्यक्ष का पदभार ग्रहण कर लिया है। इसी तरह छत्तीसगढ़ राज्य पारेषण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री जी.एस. कलसी डबलू.आर.पी.सी. की तकनीकी समन्वय समिति (टेक्नीकल कोआर्डिनेशन कमेटी) के अध्यक्ष नामित किये गये हैं।

विदित हो कि समूचे देश के विद्युत व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु पॉच क्षेत्रीय समितियों में विभाजित किया गया है। जिसमें से वेर्स्टन रीजन पॉवर कमेटी एक बड़े आकार की समिति है, इसके अन्तर्गत छत्तीसगढ़ राज्य सहित महाराष्ट्र,गुजरात, गोवा, मध्यप्रदेश, दमन तथा दीव शामिल हैं। डबलू.आर.पी.सी. का मुख्यालय मुंबई में स्थित है। इसमें एनटीपीसी, पीजीसीआईएल, एनपीसी, सेन्ट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथार्रिटी के प्रतिनिधि शामिल होते हैं।

विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 2 (55) के अन्तर्गत केन्द्र सरकार प्रस्ताव पारित कर किसी विशेष क्षेत्र के विकास के लिसे '' क्षेत्रीय विद्युत समिति'' के गठन का अधिकार प्रदान करती है। जिसका मुख्य कार्य विशेष क्षेत्र के विकास के लिये एकीकृत प्रयासों से विभिन्न समितियों से समन्वय स्थापित करना है। डब्लूआरपीसी के अन्तर्गत कई सह समितियॉ, प्रमुख रूप से सिस्टम, आपरेशन, प्रोटेक्शन, कमर्शियल की स्थायी समिति कार्य करती है।

यह उच्चस्तरीय समिति अपने अधीनस्थ शामिल राज्यों के विद्युत उत्पादन, पारेषण एवं वितरण संबंधी अन्तर्क्षेत्रीय कठिनाईयों का निराकरण करने एवं समन्वय स्थापित करने का कार्य करती है। यह समिति नियमित रूप से तिमाही बैठक का आयोजन करती है जिसमें संबंधित राज्यों के विद्युत विषयक तकनीकी, वाणिज्य तथा योजनाओं के अलावा आपसी विवाद पर व्यापक चर्चा कर राज्य हितों में निर्णय लिये जाते हैं।

देश की सबसे बड़ी क्षेत्रीय विद्युत समिति में श्री उम्मेन के अध्यक्ष तथा श्री कलसी के तकनीकी समन्वय समिति में अध्यक्ष मनोनीत होने से छत्तीसगढ़ राज्य के विद्युत परिदृश्य को और बेहतर बनाने तथा आपातकालीन स्थिति में विद्युत की निर्बाध आपूर्ति करने में सहायता मिलेगी।

सहायक अभियंता रिमोडलिंग कार्यालय का रावनभांठा में शुभारम्भ

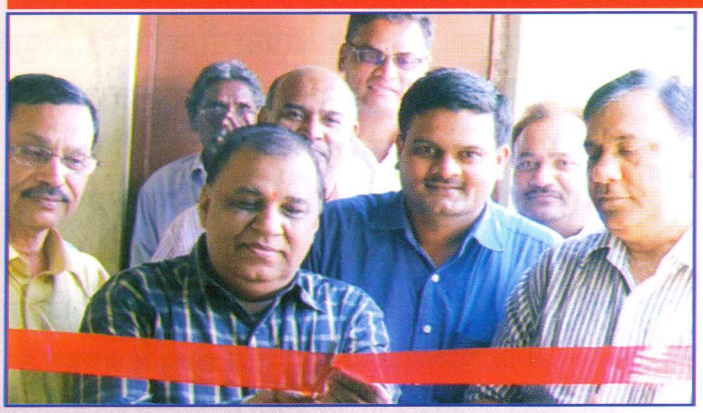

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कम्पनी द्वारा राजधानी रायपुर की विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ बनाते हुये उपभोक्ताओं की सेवा–सुविधा में लगातार वृद्धि की जा रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में नगर संभाग दक्षिण के अन्तर्गत रावनभाठा में सहायक अभियंता (रिमोडलिंग) कार्यालय का शुभारम्भ कार्यपालक निदेशक (रायपुर क्षेत्र) श्री ए.के.तिवारी के करकमलों से 03 मार्च को संपन्न हुआ। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि रावगणभाटा में रिमोडलिंग कार्यालय के आरम्भ हो जाने से इस क्षेत्र के उपभोक्ताओं के विद्युत लाईनों एवं पोल संबंधी कार्यों का निपटारा त्वरित गति से हो सकेगा जिससे क्षेत्रीय विद्युत प्रणाली में उत्पन्न अवरोध अल्प समय में दूर हो सकेंगे।

नये रिमोडलिंग कार्यालय के शुभारम्भ अवसर पर उपस्थित अधीक्षण अभियंता (शहर वृत्त)–एक रायपुर श्री पी.के.खरे, कार्यपालन अभियंता सर्वश्री आर.ए.पाठक,एस.के.धर, एम.डी.त्यागी, एन.के. सिन्हा सहित अन्य अधिकारियों ने नये कार्यालय के अधिकारियों/कर्मचारियों को उत्कृष्ट उपभोक्ता सेवा हेतु शुभकामनायें दी। सहायक अभियंता श्री प्रमोद कुमार भास्कर रिमोडलिंग कार्यालय के प्रभारी नियुक्त किये गये हैं।

उल्लेखनीय है कि रिमोडलिंग कार्यालय के अन्तर्गत रावणभाठा क्षेत्र, नगर संभाग दक्षिण के अधीनस्थ जोन क्रमांक एक एवं दो तथा राजेन्द्र नगर क्षेत्र को शामिल किया गया है। इस कार्यालय में उपभोक्ताओं की लाईनों एवं पोल की संख्या में विस्तार के साथ ही अन्य छोटे छोटे निर्माण कार्य किये जायेंगे। आकस्मिक दुर्घटना से विद्युत लाईनों एवं खम्भों के क्षतिग्रस्त होने पर उसे बदलने/ठीक करने की कार्यवाही भी त्वरित गति से संपादित की जा सकेगी।

88.99 प्रतिशत पीएलएफ अर्जित करने का ऐतिहासिक कीर्तिमान

583.244 मिलियन यूनिट हुआ अतिरिक्त विद्युत का उत्पादन

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी के विद्युत गृहों ने 13875.776 मिलीयन यूनिट विद्युत उत्पादन कर अपने जीवनकाल में सर्वाधिक विद्युत उत्पादन करने का ऐतिहासिक कीर्तिमान रचा है, जिससे विद्युत गृहों का सकल संयंत्र उपयोगिता घटक 88.99 प्रतिशत दर्ज हुआ है। यह राष्ट्रीय स्तर के पीएलएफ की तुलना में बहुत अधिक है। इसी तरह विशिष्ट तेल, एवं डीएम वॉटर की खपत को भी न्यूनतम करने का अद्वितीय मिसाल सयंत्रों ने प्रदर्शित की है । उक्त जानकारी पॉवर जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री व्ही. के.श्रीवास्तव ने दी। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2010–11 की समाप्ति पर संयंत्रो ने बीते वर्ष की तुलना में 583.244 मिलियन यूनिट अतिरिक्त विद्युत का उत्पादन किया है।

विद्युत गृहों की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर माननीय मुख्यमंत्री डॉ0 रमन सिंह ने सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को बधाई प्रेषित की है। भविष्य में ऐसी ही उत्कृष्ट कार्यशैली का प्रदर्शन करते हुये प्रदेश में निर्माणाधीन परियोजनाओं का कार्य समय पर पूर्ण करने का आव्हान विद्युत कर्मियों से किया है। विद्युत गृहों की उपलब्धियों पर गौरव व्यक्त करते हुये पॉवर जनरेशन कंपनी के अध्यक्ष श्री पी.जॉय उम्मेन एवं ऊर्जा सचिव श्री अमन सिंह ने उत्पादन संकाय के कर्मियों को बधाई दी।

आगे एमडी श्री व्ही.के.श्रीवास्तव ने बताया कि कंपनी के गंगरेल जल विद्युत गृह द्वारा भी अपने जीवनकाल में सर्वाधिक 36.574 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन करने का रिकार्ड बनाया गया। इसी तरह कोरबा पश्चिम ने 6696.300 तथा डॉ0 श्यामाप्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह ने 4240.034 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन किया, जो कि इन संयंत्रो के स्थापना काल से लेकर अब तक सर्वाधिक विद्युत उत्पादन का रिकार्ड है। आगे श्री श्रीवास्तव ने जानकारी दी कि वर्ष 2009–10 के दौरान विद्युत संयंत्रो में तेल खपत 1.067 मिली लीटर प्रति किलोवाट प्रतिघण्टे खपत किया, जिसे घटाते हुये वर्ष 2010–11 में 0.682 किया गया। इस उपलब्धि का श्रेय श्री श्रीवास्तव ने अधिकारियों/कर्मचारियों की उत्तम कार्यदक्षता को दिया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि छत्तीसगढ़ भविष्य में भी राष्ट्रीय स्तर पर विद्युत उत्पादन के मामले में अग्रणी बना रहेगा।

श्री श्रीवास्तव ने बताया कि छत्तीसगढ़ को भविष्य में भी जीरो पॉवर कट स्टेट बनाये रखने की दृष्टि से नई विद्युत परियोजनाओं के निर्माण कार्य में तेजी लाई गई है। इससे उत्पादन क्षमता वर्ष 2012 तक 3424 मेगावाट हो जायेगी। वर्तमान में यह क्षमता 1924 मेगावाट है।

विद्युत वितरण कंपनी के एमडी श्री सुबोध सिंह द्वारा समस्या निवारण शिविर का निरीक्षण

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी द्वारा विद्युत उपभोक्ताओं की बिजली संबंधित समस्याओं का निदान करने प्रदेश स्तरीय समस्या निवारण शिविर का आयोजन 11 अप्रेल से 17 अप्रेल तक किया गया। प्रदेशभर में आयोजित शिविरों में संबंधित क्षेत्र के उच्चाधिकारियों ने उपस्थित रहकर उपभोक्ताओं की समस्याओं का निराकरण किया। छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री सुबोध सिंह एवं कार्यपालक निदेशक (ओएण्डएम) श्री एस.डी.दीवान द्वारा शिविर स्थल का आकस्मिक निरीक्षण भी किया गया। इसी क्रम में श्री सुबोध सिंह द्वारा जामगांव (तर्रा) तथा पाटन वितरण केन्द्र एवं कार्यपालक निदेशक श्री एस.डी. दीवान द्वारा भखारा वितरण केन्द्र में लगे शिविरों का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर उन्होंने उपभोक्ताओं से रूबरू होकर उनकी समस्याओं को सुना।

एमडी श्री सुबोध सिंह ने शिविर में उपस्थित अधिकारियों को स्थल पर ही शिकायतों का निराकरण करने के निर्देश दिये। उन्होंने बताया कि सभी शिविरों में क्षेत्रीय, मैदानी एवं वितरण केन्द्रों के सक्षम अधिकारी उपस्थिति रहकर उपभोक्ताओं की समस्याओं का निराकरण करेंगे। विदित हो कि शिविर में नये कनेक्शन, विद्युत देयक में त्रुटि सुधार, पंप कनेक्शन, ट्रांसफार्मर संबंधी समस्या घरेलू, गैर घरेलू तथा बीपीएल कनेक्शन आदि के प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कर कार्यवाही की जा रही है।

शिविर का लाभ लेने हेतु उपभोक्ताओं को बीपीएल कनेक्शन के प्रकरण में जाति प्रमाण पत्र तथा बीपीएल कार्ड की छायाप्रति लानी होगी। इसी तरह घरेलू, गैर घरेलू कनेक्शन लेने के लिए निवास के स्वामित्व, नगर निगम, नगर पालिका, पंचायत अथवा स्थानीय निकाय का अनापत्ति प्रमाण पत्र, किरायादार होने की स्थिति में मकान मालिक द्वारा दिया गया नोटरी का सहमति/शपथ पत्र प्रस्तुत करना होगा। पंप कनेक्शन लेने हेतु भू–स्वामित्व संबंधी दस्तावेज बी–1 पी–2, नक्शा जिसमें पटवारी द्वारा कुआ, तालाब की स्थिति का चिन्हांकन हो, के अलावा संयुक्त खाते की स्थिति में अन्य खातेदारों का नोटरी द्वारा प्रमाणित सहमति शपथ पत्र आवेदन के साथ संलग्न करना होगा।

सेवानिवृत्त प्रबंध निदेशक श्री चतुर्वेदी को उत्पादन संकाय के अभियंताओं ने दी विदाई

छत्तीसगढ़ राज्य में विद्युत विकास की अनंत संभावनायें हैं। जिन्हें साकार करके पॉवर कम्पनी ने अपनी खास पहचान देश में बनाई है। प्रगति के पथ पर तेजी से बढ़ते हुये पॉवर कम्पनी के दीर्घ अनुभवी अभियंताओं की सेवानिवृत्ति से एक अपूर्णीय क्षति तो होती है किन्तु अन्य सेवारतजनों के लिये ऐसी क्षति की पूर्ति करने हेतु अपनी कार्यदक्षता को प्रदर्शित करने का बेहतर अवसर भी मिलता है। उक्त विचार छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कम्पनी के अध्यक्ष श्री पी.जॉय उम्मेन ने सेवानिवृत्त प्रबंध निदेशक श्री एस.पी.चतुर्वेदी की विदाई समारोह में व्यक्त किये। आगे श्री उम्मेन ने कहा कि उच्चाधिकारियों की नेतृत्व क्षमता का अनुशरण करते हुये चुनौतीपूर्ण स्थिति का सामना कनिष्ठ अधिकारी सहजता से कर सकते हैं। ऊर्जा क्षेत्र में बढ़ती स्पर्धा का उल्लेख करते हुये उन्होंने बेहतर प्रबंधन हेतु सुधार एवं परिवर्तन की प्रक्रिया को अपनाने पर बल दिया। समारोह में श्री उम्मेन ने सेवानिवृत्त प्रबंध निदेशक श्री चतुर्वेदी का शाल, श्रीफल से सम्मानित कर प्रतीकात्मक भेंट प्रदान किया।

विदाई समारोह में उपस्थित प्रबंध निदेशक (ट्रेडिंग–उत्पादन) श्री व्ही.के.श्रीवास्तव, प्रबंध निदेशक (होल्डिंग) श्री एस.एन.चौहान, प्रबंध निदेशक (वितरण) श्री सुबोध सिंह, प्रबंध निदेशक (पारेषण) श्री जी.एस.कलसी सहित अन्य कार्यपालक निदेशक एवं मुख्य अभियंताओं द्वारा सेवानिवृत्त प्रबंध निदेशक श्री चतुर्वेदी का अभिनंदन किया गया।

समारोह में छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर (जनरेशन–ट्रेडिंग) कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री श्रीवास्तव ने कहा कि अपनी दीर्घकालीन सेवायात्रा में श्री चतुर्वेदी ने नये पुराने विद्युत गृहों की कार्ययोजना को सुव्यवस्थित बना दिया है, फलतः उनकी सेवानिवृत्ति उपरांत उत्पादन निकाय के कार्यों को आगे बढ़ाने में किसी भी प्रकार की बड़ी कठिनाईयों का सामना नहीं करना पड़ेगा। इसी क्रम में कार्यपालक निदेशक (उत्पादन) श्री एम.बी. मेढेकर ने श्री चतुर्वेदी की कार्यदक्षता एवं टीमवर्क को हरेक अभियंता के लिये सफलता का प्रबल आधार निरूपित किया।

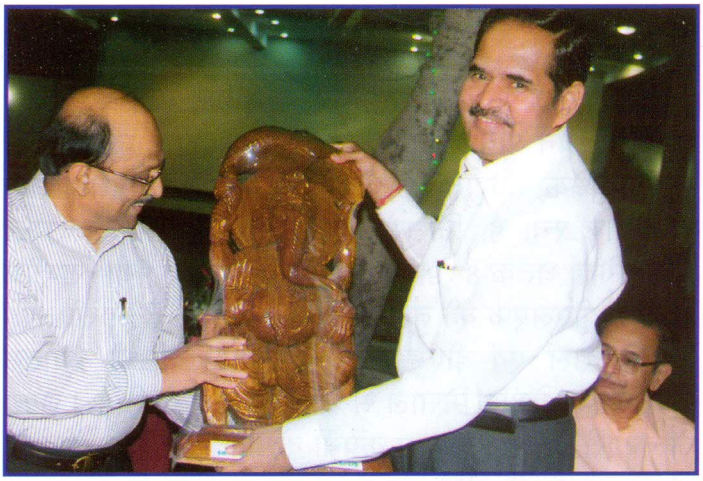

विदाई समारोह के अंत में मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) उत्पादन कंपनी श्री बी.के.सक्सेना ने आभार प्रदर्शन किया तथा कार्यक्रम का संचालन जनसम्पर्क अधिकारी श्री विजय मिश्रा ने किया।

उत्पादन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री श्रीवास्तव का कोरबा प्रवास

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री व्ही.के.श्रीवास्तव ने कोरबा प्रवास के दौरान विभिन्न विद्युत गृहों का अवलोकन किया। इस दौरान हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम के प्रशिक्षण संस्थान में कर्मचारियों/अधिकारियों को उन्होंने संबोधित करते हुये कहा कि कर्मचारी हितैषी कार्यों को अन्जाम दिये बिना कोई भी संस्था सफलता की ऊँचाई पर नहीं पहुंच सकती। उन्होंने स्पष्ट किया कि कर्मचारियों के हित में प्रबंधन सदैव सकारात्मक सोच रखता है। अतः कर्मचारीगण असंतोष पाले बिना अपने कार्यों का संपादन निष्ठापूर्वक करते रहें, इससे दोनों का नाम रौशन होगा।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक सर्वश्री एम.बी.मेढेकर,आर.के.बाझल, पी.एल.विधानी एवं डॉ0श्यामा प्रसाद ताप विद्युत गृह के कार्यपालक निदेशक श्री आर.डी.सोनकर, कोरबा पूर्व के ईडी श्री सी.पी.पाण्डे, कोरबा पश्चिम के मुख्य अभियंता श्री एस.एन.अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में अधिकारी–कर्मचारीगण उपस्थित थे। बैठक का संयोजन वरि0कल्याण अधिकारी श्री पी.के.दवे, संचालन श्री एस.पी.बारले तथा आभार प्रदर्शन श्री गोपाल खण्डेलवाल ने किया।

'ग्रिड टेक 2011'' में छत्तीसगढ़ पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी की सक्रिय भागीदारी

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी ने नई दिल्ली में आयोजित तीन दिवसयी अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ''ग्रिड टेक 2011'' में अपनी सक्रिय भागीदारी दी। भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय के सहयोग से पॉवर ग्रिड कार्पोरेशन इंडिया लिमिटेड द्वारा इसका आयोजन किया गया। नई दिल्ली में संपन्न हुई संगोष्ठी एवं प्रदर्शनी का उद्घाटन केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री श्री सुशील कुमार शिन्दे ने किया। भारत के अलावा अन्य कई देशों से पधारे विद्युत क्षेत्र के विशेषज्ञ इसमें शामिल हुये। छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री जी.एस.कलसी ने छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व किया। इसके अन्तर्गत विद्युत की पारेषण एवं वितरण प्रणाली के उन्नयन, भार प्रेषण एवं संचार क्षेत्र में नवीन तकनीकी के उपयोग, ट्रांसफार्मर एवं पारेषण से संबंधित कीमती उपकरणों की सुरक्षा के उपायों पर महत्वपूर्ण सुझाव व्यक्त किये गये।

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित ग्रिड टेक के तकनीकी सत्र में विशिष्टजनों की आसंदी से श्री कलसी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि नवोदित राज्य छत्तीसगढ़ की पारेषण प्रणाली के उन्नयन हेतु संगोष्ठी में प्रदत्त सुझावों का लाभ लिया जायेगा। उन्होंने बताया कि संगोष्ठी में उच्चदाब गैस इन्सोलेटेड उपकेन्द्रों की उपयोगिता पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। इस नई अत्याधुनिक तकनीकी से उपकेन्द्र का निर्माण छोटे आकार की भूमि पर किया जा सकता है तथा इससे लाईन खींचने हेतु प्रयुक्त टॉवर को भी छोटी जगह (लेटिस स्ट्रक्चर की जगह ट्यूबलर स्ट्रक्चर) पर स्थापित किया जा सकता है। जिससे कृषि तथा उपजाऊ उपयोगी भूमि की बचत हो सकेगी।

संगोष्ठी में अतिउच्चदाब ट्रांसफार्मर के आन लाईन हाई पॉवर टेस्टिंग की उपयोगिता पर भी व्यापक चर्चा हुई। इस सुविधा को बीना (मध्यप्रदेश) में एन.एच.पी.टी.एल. के द्वारा विकसित किये जाने जानकारी दी गई। श्री कलसी ने इस संबंध में बताया कि इस योजना के क्रियान्वयन से ट्रांसफार्मरर्स को विशेष परीक्षण हेतु नीदरलैण्ड एवं अन्य देशों में भेजने की आवश्यकता नहीं होगी। बीना में ही इस अत्याधुनिक परीक्षण की सुविधा हो जाने पर विद्युत संस्थानों के समय एवं धन के अनावश्यक अपव्यय को भी नियंत्रित किया जा सकेगा। नई दिल्ली से संगोष्ठी में सफल भागीदारी देकर लौटे श्री कलसी ने जानकारी दी कि केन्द्रीय सिंचाई एवं ऊर्जा मंडल तथा इंडियन इलेक्ट्रिकल एण्ड इलेक्ट्रॉनिक्स मेन्युफेक्चर्रस एसोसिएशन का विशेष सहयोग संगोष्टी के आयोजन में रहा।

रायपुरा एवं हाऊसिंग बोर्ड कालोनी पुरैना में निर्मित 33/11 के.व्ही उपकेन्द्र क्रियाशील

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति करने हेतु नये निम्नदाब उपकेन्द्रों एवं लाईनों का निर्माण रायपुर क्षेत्र में किया जा रहा है। इस दिशा में आगे बढ़ते हुये रायपुरा एवं हाऊसिंग बोर्ड कालोनी पुरैना मे 33/11 के.व्ही. क्षमता के उपकेन्द्रों का निर्माण पूर्ण किया गया। इन नवनिर्मित उपकेन्द्रों को पॉवर वितरण कंपनी के कार्यपालक निदेशक श्री ए.के.तिवारी के करकमलों से सफलतापूर्वक क्रियाशील किया गया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि इन उपकेन्द्रों का निर्माण कार्य रिकार्ड टाईम पर पूरा करने में पॉवर कम्पनी को सफलता मिली है। इन उपकेन्द्रों के निर्माण में लगभग एक–एक करोड़ रूपये की लागत आयी है। इनके क्रियाशील हो जाने से उपभोक्ताओं को समुचित वोल्टेज पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति हो सकेगी।

उल्लेखनीय है कि रायपुरा एवं छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल कालोनी पुरैना में नवनिर्मित 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्रों में 5–5 एमव्हीए क्षमता के ट्रांसफार्मर स्थापित किये गये हैं। रायपुरा स्थित उपकेन्द्र से रायपुरा, महादेवघाट सहित आसपास के क्षेत्रों को तथा पुरैना स्थित उपकेन्द्र से हाउसिंग बोर्ड कोलोनी, कोन्डर, लाभांडी, व्हीआईपी स्टेट, माना, मालसी विहार और उसके आसपास के क्षेत्रों को समुचित वोल्टेज पर गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति हो सकेगी तथा विद्युत व्यवधान में कमी आयेगी। इन उपकेन्द्रों की क्रियाशीलता से इन क्षेत्रों के उपभोक्ताओं ने राहत महसूस की है।

उपकेन्द्र क्रियाशील करने के अवसर पर रायपुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री तिवारी सहित अधीक्षण अभियंता सर्वश्री पी.के.खरे, पी.एस. कुमार, कार्यपालन अभियंता सर्वश्री आर.ए.पाठक, व्ही.के.देशमुख सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

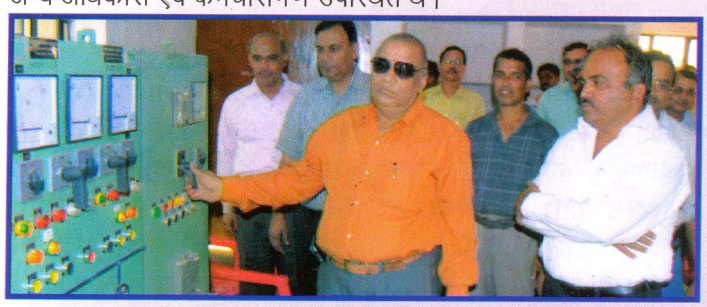

400 के.व्ही. क्षमता की लाईन के निर्माण कार्य का शुभारम्भ

336 करोड़ रूपये की लागत वाली लाईन की लंबाई होगी 150 कि.मी.

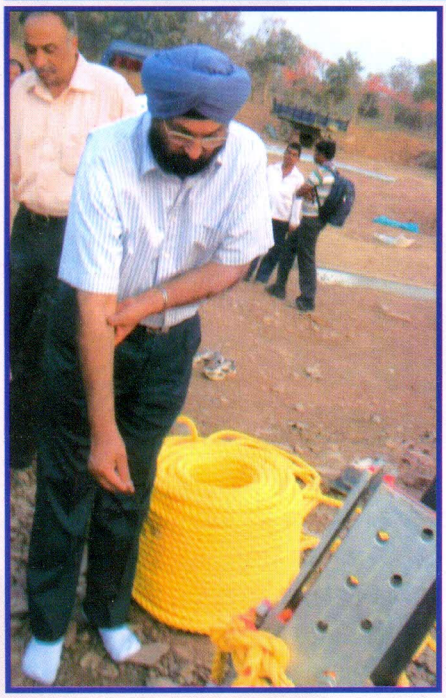

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत पारेषण कंपनी द्वारा अति उच्चदाब उपकेन्द्रों एवं लाईनों का विस्तार कार्य तेजी से किया जा रहा है। विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से उत्पादित विद्युत को राज्य के दूरस्थ अंचलों तक पहुंचाने पारेषण के क्षेत्र में बड़े बड़े निवेश भी किये जा रहे हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में 400 के.व्ही. क्षमता की मड़वा–रायता (रायपुर) नई विद्युत लाईन डालने के कार्य का शुभारम्भ पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री जी.एस.कलसी ने किया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि लगभग 336 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित होने वाली इस लाईन की लम्बाई 150 किलोमीटर होगी। इस लाईन से जांजगीर–चांपा जिले के ग्राम मड़वा में बन रहे छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के एक हजार मेगावाट क्षमता वाले ताप विद्युत संयंत्र से उत्पादित बिजली का परिवहन रायपुर जिले के ग्रम रायता तक किया जायेगा।

लाईन निर्माण कार्य के अन्तर्गत हथबंध के पास ग्राम मनौरा में टॉवर निर्माण कार्य का शुभारम्भ कर दिया गया है। टॉवर एवं लाईन निर्माण कार्य कल्पतरू पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। इस कार्य को अगले वर्ष तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। नई लाईन निर्माण से रायपुर जिले के आसपास के ग्रामों सहित बिलासपुर जिला, मेकरी, करहीबाजार, बिडकुली, धनेली, निपनिया, सिंगारपुर, अम्लीडीह, दतरेंगा, सेमरिया, देवरी, तरेंगा, मोहबट्टा, बूचीपारा, मनोहरा, खरेंगा, बडवेरा, नवागांव, झिरीया आदि ग्रामों को समुचित वोल्टेज पर विद्युत की आपूर्ति हो सकेगी।

नई लाईन निर्माण के शुभारम्भ अवसर पर एमडी श्री कलसी सहित वितरण कंपनी के मुख्य अभियंता श्री डब्लू.आर.वानखेड़े, अति.मुख्य अभियंता श्री पी.एम.जोग, अधीक्षण अभियंता श्री ए.पी. सिंह, कार्यपालन अभियंता श्री पी.वी.एस. शंकर, एवं कल्पतरू पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर श्री मोहंती उपस्थित थे।

मानव संसाधन के प्रति संवेदनशीलता संस्था हित में आवश्यक –श्री चौहान

मानव संसाधन की महत्ता शासकीय तथा गैर सरकारी संस्थानों में समान रूप से है। इनके प्रति संवेदनशीलता आवश्यक है। उक्त विचार छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर होल्डिंग कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एस.एन.चौहान ने आज मानव संसाधन विभाग से स्थानांतरित हुये अधिकारियों की विदाई एवं नवागत अधिकारियों के स्वागत समारोह में व्यक्त किये। विद्युत सेवा भवन के सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) श्री जी.एल. बिजौरा तथा उप महाप्रबंधक श्री सुभाष चन्द्रा को भावभीनी विदाई दी गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री चौहान ने स्थानांतरित हुये अधिकारियों को मानव संसाधन विभाग की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट कर अपनी शुभकामनायें दी। इस अवसर पर नवागत मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) श्री कैलाश नारनवरे, अतिरिक्त महाप्रबंधक श्री संदीप चौधरी, उपमहाप्रबंधक श्री एस.आर. बांधे का अभिनंदन किया गया। नवागत अधिकारियों को शुभकामनायें व्यक्त करते हुये प्रबंध निदेशक श्री चौहान ने कहा कि पॉवर कम्पनी की नीति सदैव मानव संसाधन के लिये कल्याणकारी रही है। नवागत अधिकारी भी कंपनी की कर्मचारी हितैषी नीतियों का पालन करते हुये मानव संसाधन के उत्थान में अपनी उत्कृष्ट भूमिका का परिचय देंगे।

समारोह में विशिष्टजनों का स्वागत सर्वश्री आर.डी.सिंह, अजय श्रीवास्तव, मुस्ताक अहमद, डी.डी.पात्रीकर, एच.के.बघेल ने किया। कार्यक्रम का संचालन जनसम्पर्क अधिकरी श्री विजय मिश्रा ने किया।

अखिल भारतीय विद्युत मण्डल ब्रिज स्पर्धा संपन्न

महाराष्ट्र विद्युत ट्रांसमिशन कंपनी विजेता तथा वितरण कंपनी को उपविजेता का गौरव

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी की मेजबानी में संपन्न हुई अखिल भारतीय विद्युत मण्डल ब्रिज स्पर्धा में महाराष्ट्र विद्युत ट्रांसमिशन कंपनी को विजेता तथा महाराष्ट्र विद्युत वितरण कंपनी को उपविजेता होने का गौरव प्राप्त हुआ। स्पर्धा में तृतीय स्थान पर मध्यप्रदेश राज्य विद्युत मण्डल की टीम रही। स्पर्धा के समापन–पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष श्री मनोज डे तथा विशिष्ट अतिथि नियामक आयोग के सदस्य श्री बी.के.शर्मा, पॉवर कंपनी के प्रबंध निदेशकद्वय सर्वश्री व्ही.के.श्रीवास्तव, जी.एस.कलसी, डॉ0 एस.पी.शर्मा तथा अजय श्रीवास्तव ने विजेताओं को ट्रॉफी प्रदान किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री मनोज डे ने विचार व्यक्त करते हुये विजयी खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने आगे कहा कि हरेक स्पर्धा के दो पहलू हार एवं जीत होते हैं। खिलाड़ियों के लिये इन दोनों का विशेष महत्व है, अतः जीत की खुशी में अति आत्मविश्वास तथा हार की स्थिति में हताशा जैसी स्थिति से दूर रहना खिलाड़ियों के लिये हितकारी है। देश के विभिन्न विद्युत संस्थानों से ब्रिज स्पर्धा में शामिल हुये खिलाड़ी विद्युत विकास के क्षेत्र में भी अपना बेहतर कार्य को प्रदर्शित करेंगे यही मेरी कामना है। श्री डे ने राष्ट्रीय स्तर पर ब्रिज स्पर्धा के सफल आयोजन हेतु छत्तीसगढ़ पॉवर कंपनी के आयोजन समिति की भी सराहना की।

अन्तर्राज्जीय ब्रिज स्पर्धा का शुभारम्भ 05 अप्रेल को छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी के प्रबंध निदेशक (जनरेशन–ट्रेडिंग) श्री व्ही.के.श्रीवास्तव के मुख्य आतिथ्य तथा विशिष्ट अतिथि कार्यपालक निदेशक (वित्त) डॉ. एस.पी. शर्मा, छत्तीसगढ़ ब्रिज एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री व्ही.के.चतुर्वेदी, कार्यपालक निदेशक श्री आर.के.बांझल, श्री ए.के.गर्ग, अखिल भारतीय विद्युत नियंत्रण मण्डल के उपाध्यक्ष श्री अजय श्रीवास्तव के दीप प्रज्ज्वलन से संपन्न हुआ था। इस अवसर पर श्री व्ही.के.श्रीवास्तव ने कहा कि ब्रिज एकाग्र मन–मस्तिष्क से खेला जाने वाला तथा मित्रता बढ़ाने वाला खेल है। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में विभिन्न राज्यों से आये खिलाड़ियों के बीच आयोजित ब्रिज स्पर्धा नई ऊर्जा का संचार करने में सफल होगी।

छत्तीसगढ़ में आयोजित 37वीं अन्तर्राज्जीय ब्रिज स्पर्धा में महाराष्ट्र राज्य पॉवर जनरेशन कंपनी, ऑधप्रदेश, गुजरात,मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र पॉवर वितरण कंपनी, तमिलनाडु, टाटा पॉवर, महाराष्ट्र पॉवर पारेषण कंपनी सहित मेजबान छत्तीसगढ़ राज्य की टीम शामिल हुई। स्पर्धा के स्विसलीग टीम इवेंट्स की विजेता टीम में महाराष्ट्र ट्रांसको कंपनी के सर्वश्री राजीव देव, एम.एस.भिसे, विलास दीक्षित, अविनाश बोद्रें, सुरेश जोशी तथा उपविजेता टीम में महाराष्ट डिस्कॉम के सर्वश्री एम.के.जनार्दन, एन.एम.धर्माधिकारी, ए. जी.बापट, जी.एम.काले, यू.पी.लिमय, पी.आर.कुलकर्णी शामिल थे। मास्टर पेयर इवेंट्स में गुजरात विकास निगम के श्री जे.टी.पेशवानी, श्री आर.जी.कपूर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

समारोह में अतिथियों का स्वागत केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के खेल सचिव श्री पी.के.खरे, श्री हेमन्त सचदेवा, डॉ. के.एस. छाबड़ा, अधीक्षण अभियंता सर्वश्री एस.के.कटियार, ए. व्ही.कुलकर्णी ने किया। चार दिवसीय स्पर्धा को निष्पक्ष संपन्न कराने में टूर्नामेंट डायरेक्टर की भूमिका का निवर्हन व्ही.के.चतुर्वेदी, डी.एन.कथुरिया तथा एस.मोहम्मद ने किया। कार्यक्रम का संचालन कला सचिव श्री विजय मिश्रा ने किया।

पॉवर कम्पनी में अंतरक्षेत्रीय गायन–वादन स्पर्धा संपन्न

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी मुख्यालय में आयोजित अंतरक्षेत्रीय सुगम संगीत एवं गायन–वादन स्पर्धा का आयोजन 24 से 26 मार्च तक किया गया। स्पर्धा में पुरूष एवं महिला कलाकारों द्वारा फिल्मी, गैरफिल्मी, शास्त्रीय गायन वादन में बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। इसके उद्घाटन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि पॉवर होल्डिंग कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एस.एन.चौहान थे। उन्होंने विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते हुये कहा कि भारत की परंपरा अति प्राचीनकाल से साहित्य एवं संगीत से जुड़ी हुई है। यह परिवार, समाज, एवं देश को संस्कारवान बनाती है। उन्होंने विजयी प्रतिभागियों को जीत की खुशी में अपने भीतर अंहकार को न पनपने देने का आव्हान किया। श्री चौहान ने आगे कहा कि पॉवर कंपनी विद्युत विकास के मामलें में जिस तरह से अग्रणी है, उसी तरह खेल एवं कला जगत में भी विद्युत कर्मी प्रदेश का नाम गौरवान्वित करें। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि कार्यपालक निदेशक(मानव संसाधन) श्री जी.एल. बिजौरा तथा अखिल भारतीय क्रीड़ा नियंत्रण मंडल के उपाध्यक्ष श्री अजय श्रीवास्तव ने भी विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया।

स्वरचित काव्यपाठ में निर्णायकों की भूमिका श्रीमती सुधा वर्मा एवं नीला भाखरे तथा गायन–वादन में श्री राजेश केसरी, श्रीमती व्यास एवं सोहन दुबे ने निभाया। दो दिवसीय स्पर्धा के दौरान महिला वर्ग में बिलासपुर की प्रतिभागी श्रीमती नंदी वाणी एवं पुरूष वर्ग में केन्द्रीय कार्यालय रायपुर के श्री सुभाष शर्मा ने उत्कृष्ट कला का प्रदर्शन करते हुये सर्वाधिक पुरस्कार प्राप्त किये।

फिल्मी–गैर फिल्मी गायन स्पर्धा के पुरूष–महिला वर्ग में श्री सुभाष शर्मा, श्रीमती नंदी वाणी, श्री अनिल बिड़वईकर प्रथम तथा प्रमोद बोरवनकर, अर्चना जोशी द्वितीय स्थान पर रहे। इसी तरह सुगम–शास्त्रीय वादन में प्रथम पुरस्कार श्री संजय मेहराल, श्री मोहन चौहान, श्रीमती वाणी नंदी को तथा द्वितीय पुरस्कार श्री तीजूराम, श्रीमती शारदा रानी, श्री महादेव महंत को प्राप्त हुआ। स्वरचित काव्य स्पर्धा में प्रथम स्थान श्री शिवबिहारी घोरे, श्रीमती ईरा पंत तथा द्वितीय स्थान श्री हरवंश शुक्ला एवं श्रीमती किरण लता वैद्य को प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में अतिथियों का स्वागत केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के कार्यालय (सचिव) श्री हेमन्त सचदेवा तथा प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों से पधारे कलाकारों ने किया। आभार प्रदर्शन केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के कला सचिव श्री विजय मिश्रा ने एवं संचालन श्री रतन गोंडाने ने किया।

सेवानिवृत्त कार्यपालक निदेशक श्री पाण्डे एवं मुख्य अभियंता श्री लालवानी की भावभीनी विदाई

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कम्पनी के कार्यपालक निदेशक श्री रमाकान्त पाण्डे एवं जनरेशन कंपनी के मुख्य अभियन्ता श्री आर.सी. लालवानी एवं अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री घनश्याम लाल पटेल की सेवानिवृत्ति पर 30 अप्रेल को भावभीनी विदाई दी गई। इन अभियंताओं ने तीन दशक से अधिक तक अपनी सेवायें विद्युत उत्पादन, पारेषण एवं वितरण के क्षेत्र में दी। विदाई समारोह में पॉवर वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री सुबोध सिंह तथा पारेषण कंपनी के प्रबंध निदेशक जी.एस.कलसी एवं सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने सेवानिवृत्तजनों को शुभकामनायें दी तथा उनकी दीर्घकालीन सेवा को विद्युत विकास के लिये बहुमूल्य निरूपित किया। उन्होंने पॉवर कंपनी की ओर से देय प्रतीकात्मक भेंट एवं प्रमाण पत्र सेवानिवृत्त अभियंताओं को प्रदान किया।

कंपनी मुख्यालय विद्युत सेवा भवन के सभाकक्ष में आयोजित विदाई समारोह में मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) श्री बी.के.सक्सेना एवं श्री कैलाश नारनवरे ने सेवानिवृत्त अभियंताओं के जीवन परिचय पर प्रकाश डाला। सेवानिवृत्त अभियंताओं का अभिनंदन श्री आर.के.बाझल, श्री ए.के. तिवारी, श्री जी.एल.बिजौरा ने भी किया गया। समारोह में सेवानिवृत्त अभियंताओं ने अपनी सेवायात्रा के दौरान अधिकारियों/कर्मचारियों से मिले सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया तथा अपनी सफलतम सेवा का आधार बताया। कार्यक्रम का संचालन जनसम्पर्क अधिकारी श्री विजय मिश्रा ने किया।

मानव संसाधन के महाप्रबंधक बने श्री कैलाश नारनवरे

छत्तीसगढ़ राज्य पावर होल्डिंग कंपनी में महाप्रबंधक (मानव संसाधन) के पद पर श्री कैलाश नारनवरे की पदस्थापना की गई है। तदानुसार उन्होंने दिनांक 28 मार्च 2011 को अपना पदभार ग्रहण किया। इसके पूर्व वे जगदलपुर क्षेत्र में मुख्य अभियंता के पद पर कार्यरत थे। नई पदस्थापना पर उन्हें छत्तीसगढ़ राज्य पावर होल्डिंग कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एस.एन. चौहान सहित अन्य उच्चाधिकारियों - कर्मचारियों ने बधाई एवं शुभकामनाएँ दी । अपनी नई पदस्थापना पर श्री नारनवरे ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि पावर कंपनी प्रबंधन द्वारा दी गई जिम्मेदारियों को वे संस्था तथा कर्मचारी हित में बेहतर ढंग से संचालित करने संकल्पित हैं ।

श्री नारनवरे जी का जन्म 15 अक्टूबर 1960 को मारूढ़ (महाराष्ट्र) में हुआ । अपनी माता श्री अलोखा बाई एवं पिता स्व. गोविन्द राव नारनवरे से जीवन में आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा लेते हुए आपने हायर सेकेण्डरी की परीक्षा वर्ष 1977 में पाडुंरणा से उत्तीर्ण की । प्रारंभ से ही मेधावी रहे श्री नारनवरे ने वर्ष 1983 में बी.ई. इलेक्ट्रिकल की परीक्षा शासकीय इंजीनियरिंग कालेज जबलपुर से उत्तीर्ण की ।

आपने अपने कैरियर का शुभारंभ मध्यप्रदेश विद्युत मंडल में वर्ष 1984 से सहायक अभियंता (प्रशिक्षु) के पद सं संचारण - संधारण संभाग बालाघाट से किया । वर्ष 1985 में आप ईएचटी कंस्ट्रक्शन संभाग बिलासपुर में सहायक अभियंता के पद पर पदस्थ किये गये । आगे वर्ष 1998 में कार्यपालन अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त कर आपकी पदस्थापना अधीक्षण अभियंता (टी एण्ड सी) कार्यालय भिलाई में की गई । कार्यपालन अभियंता के पद पर आपने भिलाई, बेमेतरा, दुर्ग में अपनी सफलतम सेवायें दी।

वर्ष 2007 में आपको संचारण-संधारण वृत्त दुर्ग में अधीक्षण अभियंता का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया । आगे वर्ष 2009 में आपको संचारण-संधारण वृत्त जगदलपुर में अधीक्षण अभियंता के पद पर पदोन्नति प्रदान की गई । तत्पश्चात् वर्ष 2010 में अतिरिक्त मुख्य अभियंता एवं इसी वर्ष जून में मुख्य अभियंता के पद पर आपको पदोन्नति प्राप्त हुई ।

अपनी सेवा यात्रा में समय -समय पर पदोन्नति प्राप्त करते हुए आपने पारेषण एवं वितरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवायें दी हैं । मार्च 2011 से महाप्रबंधक (मानव संसाधन) के पद पर होल्डिंग कंपनी में पदस्थ किये गये हैं ।

" KILL THE TENSION BEFORE KILLS U"
" REACH YOUR GOAL BEFORE GOAL KICKS U"
"LIVE LIFE BEFORE LIFE LEAVES U"

MOST CREATIVE & BRILLIANT USE OF LANGUAGE WRITTEN ON A POSTER BY A GLOBAL WARMING ACTIVIST:
" EARTH KA KUCH KARO WARNA UNEARTH HO JAEGA".....
HV. A NICE SUNDAY.

नवनियुक्त अभियंताओं की एमडी श्री कलसी के साथ परिचय बैठक संपन्न

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत पारेषण कंपनी द्वारा अति उच्चदाब उपकेन्द्रों एवं लाईनों का विस्तार तेजी से किया जा रहा है। राज्य गठन के समय केवल 27 अतिउच्चदाब उपकेन्द्र थे, जो कि आज बढ़कर 69 हो चुके हैं। दोगुना से भी अधिक वृद्धि की यह दर प्रदेश के तेज विकास को प्रदर्शित करता है। इसे सतत् बनाये रखने की बड़ी जवाबदारी पॉवर कम्पनी में नवनियुक्त सहायक एवं कनिष्ठ अभियंताओं के कंधो पर है। उक्त विचार पारेषण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री जी.एस. कलसी ने विद्युत सेवाभवन में नव पदस्थ अभियंताओं को संबोधित करते हुये कहा। पारेषण कंपनी में 46 नये अभियंताओं की पदस्थापना की गई है। उच्चाधिकारियों के साथ इन अभियंताओं की 17 मार्च को परिचय बैठक आहुत की गई थी।

बैठक में श्री कलसी ने आगे कहा कि विद्युत विकास के साथ उपभोक्ताओं की जागरूकता भी बढ़ी है। प्रदेश में नियामक आयोग के गठन से विद्युत के क्षेत्र में प्रदेश–जनहित को विशेष महत्व दिया जा रहा है। इसे देखते हुये नवनियुक्त अभियंताओं को विद्युत अधिनियमों का समुचित ज्ञान होना भी आवश्यक है। इससे कार्य नियमानुसार हो सकेगे और पारदर्शिता बनी रहेगी। अति उच्चदाब पारेषण प्रणाली के विस्तार में कृषि,वन,भूमि की बाधा आती है। नवनियुक्त अभियंताओं का सामना प्रदेश के तीव्र विकास में ऐसी अनेक बाधाओं से होगा। जिसका निदान करके प्रदेश को विद्युत क्षेत्र में अग्रणी बनाये रखने में कंपनी के नये अभियंता कामयाब होंगे यही मेरी कामना है।

बैठक में पारेषण लाईनों की ऐतिहासिक प्रगति का व्यौरा देते हुये श्री कलसी ने बताया कि राज्य गठन के समय मात्र 5205 सर्किट किलोमीटर अतिउच्च दाब लाईनों की संख्या थी, जो बढ़कर 7939 सर्किट किलोमीटर हो गई है। निकट भविष्य में बिजली के उत्पादन में करीब ढाईगुना वृद्धि करने परियोजनाओं का निर्माण कार्य जारी है। इन परियोजनाओं से उत्पादित बिजली को छत्तीसगढ़ के दूरस्थ अंचलो तक पहुंचाने पारेषण के क्षेत्र में बड़े निवेश किये जा रहे हैं। 28 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद 400 केव्ही क्षमता की विद्युत लाईन बिछाने का कार्य भी प्रारम्भ किया गया है, जिसे कि अगले वर्ष तक पूरा करने की कार्ययोजना बनाई गई है। नवनियुक्त अभियंता नई टेक्नॉलाजी को अमल में लाते हुये पारेषण प्रणाली को उन्नत बनाने में अपनी महती भूमिका निभायेंगे।

बैठक में पारेषण कंपनी के मुख्य अभियंता श्री विजय सिंह, श्री व्ही.के.खरे, कार्यपालक निदेशक(वित्त) श्री अजय दुबे सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सेवानिवृत्त कार्यपालक निदेशक श्री मेढेकर एवं श्री अग्रवाल की भावभीनी विदाई

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर जनरेशन कम्पनी के कार्यपालक निदेशक श्री एम.बी.मेढेकर एवं वितरण कंपनी के कार्यपालक निदेशक श्री एम.के.अग्रवाल एवं अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री आर. के.अग्रवाल की सेवानिवृत्ति पर 31 मार्च 2011 को भावभीनी विदाई दी गई। इन अभियंताओं ने तीन दशक से अधिक तक अपनी सेवायें विद्युत उत्पादन, पारेषण एवं वितरण के क्षेत्र में दी। राज्य गठनोपरांत छत्तीसगढ़ को विद्युत के क्षेत्र में मिले विशेष पहचान में तीनों अभियंताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनकी विदाई समारोह में पॉवर कंपनी के प्रबंध निदेशक सर्वश्री एस.एन.चौहान श्री व्ही.के.श्रीवास्तव, जी.एस.कलसी एवं श्री सुबोध सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने सेवानिवृत्तजनों को शुभकामनायें दी। उन्होंने कहा कि सामान्य से हटकर कुछ खास करके संस्था का नाम रौशन करने वाले अधिकारी–कर्मचारी अपनी विशेष पहचान बना लेते हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में सेवानिवृत्त अभियंताओं को "विद्युत विकास के मजबूत स्तम्भ" की संज्ञा दी।

कंपनी मुख्यालय विद्युत सेवा भवन के सभाकक्ष में आयोजित विदाई समारोह में विदा लेते अधिकारियों के मंगलमय जीवन की कामना करते हुये कार्यपालक निदेशक(मानव संसाधन) श्री जी.एल.बिजौरा एवं श्री बी. के.सक्सेना ने सेवानिवृत्त अभियंताओं के जीवन परिचय पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर पॉवर कंपनी की ओर से देय प्रतीकात्मक भेंट एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। सेवानिवृत्त अभियंताओं ने अपनी सेवायात्रा के दौरान अधिकारियों/कर्मचारियों से मिले सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया तथा अपनी सफलतम सेवा का आधार बताया। कार्यक्रम का संचालन जनसम्पर्क अधिकारी श्री विजय मिश्रा ने किया।

सेवानिवृत्त अधिकारियों/कर्मचारियों की भावभीनी विदाई

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत ट्रांसमिशन कंपनी के सेवानिवृत्त अधिकारियों/कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति की तिथि पर ही पेशंन आदेश, सेटलमेंट अलाऊंस, भविष्य निधि की राशि तथा अवकाश नकदीकरण भुगतान करने की पहल की गई। पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के एमडी श्री जी.एस. कलसी ने बताया कि सेवानिवृत्तजनों को कंपनी की ओर से देय समस्त भुगतान कतिपय कठिनाईयों की वजह से नहीं हो पा रहा था, जिसका त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिये गये हैं।

30 अप्रेल 11 को आयोजित विदाई समारोह में श्री कलसी ने सेवानिवृत्त अधिकारियों की दीर्घकालीन सेवा को पॉवर कम्पनी के लिये महत्वपूर्ण निरूपित किया तथा सभी प्रकार के भुगतानों का धनादेश देने हेतु उपमहाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री व्ही.के. चड्डा जी को इसका श्रेय दिया। विदाई समारोह के अंत में आभार प्रदर्शन करते हुये मुख्य अभियंता (अति उच्चदाब) श्री डब्लू.आर. वानखेड़े ने स्वरचित कविता का पाठ किया। समूचे कार्यक्रम का संचालन श्री योगेश नैय्यर द्वारा किया गया।

ट्रांसमिशन कंपनी से सेवानिवृत्त होने वालों में एडिशनल चीफ मेडिकल आफिसर श्रीमती यू. तमेर, स्टाफ आफिसर श्री एस.बी.सिंह एवं सेक्शन आफिसर श्री नरेश अय्यर शामिल थे। सेवायात्रा के अंतिम दिवस पर ही अपनी समस्त लेनदारी कंपनी से पाकर सेक्शन आफिसर श्री नरेश अय्यर ने कपंनी प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया तथा अन्य संस्थानों के लिये इसे अनुकरणीय कहा। इसी तरह कार्यपालक निदेशक (संचारण एवं संधारण) कार्यालय में निज सचिव श्री एन.एच. रेड्डी को भी विदाई दी गई। कार्यक्रम में उन्हें ईडी श्री एस.डी. दीवान एवं अन्य अधिकारियों ने अपनी मंगलकामनायें व्यक्त की। समारोह में सेवानिवृत्तजनों को उच्चाधिकारियों द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीकात्मक भेंट प्रदान कर शुभकामनायें दी गई।

पॉवर वितरण कंपनी से सेवानिवृत्त अनुभाग अधिकारी श्री वर्मा की भावभीनी विदाई

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी के अतिरिक्त महाप्रबंधक (मानव संसाधन) कार्यालय में सेवारत अनुभाग अधिकारी श्री घनश्याम वर्मा की सेवानिवृत्ति पर भावभीनी विदाई 31 मार्च 11 को दी गई। श्री वर्मा को शाल, श्रीफल सहित कंपनी की ओर से देय प्रतीकात्मक भेंट एवं प्रमाण पत्र विदाई समारोह के मुख्य अतिथि अतिरिक्त महाप्रबंधक श्री यू.एस.उपाध्याय ने प्रदान किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि 36 वर्षों की दीर्घकालीन सेवा का कुशलतापूर्वक निवर्हन स्वयं में एक बड़ी उपलब्धि है। अपनी कार्यकुशलता तथा मिलनसारिता को सतत बनाये हुये श्री वर्मा ने अन्य विभागीय कर्मियों के लिये एक आदर्श प्रस्तुत किया है।

विदाई समारोह में उपस्थित प्रबंधक श्री देवेश निगम तथा जनसम्पर्क अधिकारी श्री विजय मिश्रा ने भी विदाई समारोह में विचार व्यक्त किये। सेवानिवृत्त अनुभाग अधिकारी श्री वर्मा तथा कार्यालय से स्थानांतरित हुये श्री दिलीप यादव को विभागीय अधिकारियों/कर्मचारियों ने अपनी शुभकामनायें दी। इस अवसर पर स्टाफ आफिसर श्री रामचन्द्रन एवं प्रशासनिक अधिकारी श्रीमती प्रगति ओंक तथा कु. मलिका केरकेट्टा आदि ने सेवानिवृत्त तथा विदा ले रहे कर्मी का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया।

सेवानिवृत्त अनुभाग अधिकारी श्री वर्मा ने अपनी सेवायात्रा के दौरान अधिकारियों/कर्मचारियों से मिले सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया तथा अपनी सफलतम सेवा का आधार बताया। कार्यक्रम का संचालन अनुभाग अधिकारी श्री रतन गोंडाने ने किया।

पॉवर कम्पनी में अंतर्क्षेत्रीय कबड्डी स्पर्धा संपन्न

जगदलपुर विजेता–कोरबा उपविजेता

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत होल्डिंग कंपनी के केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के तत्वावधान में अंतर्क्षेत्रीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन कंपनी मुख्यालय डंगनिया के खेल मैदान में किया गया। स्पर्धा में प्रदेशभर के विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों से चयनित खिलाड़ियों का हुनर दो दिन तक डंगनिया खेल मैदान पर देखने को मिला। स्पर्धा में जगदलपुर को विजेता एवं कोरबा पश्चिम को उपविजेता होने का गौरव प्राप्त हुआ। स्पर्धा में श्री आर.बी.मन्नेवार को बेस्ट केचर तथा श्री अनुज प्रताप सिंह बेस्ट रेडर से पुरस्कृत किये गये।

स्पर्धा के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि पॉवर होल्डिंग कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एस.एन.चौहान ने विजयी खिलाड़ियों को पुरस्कृत करते हुये अभिमान–अंहकार से दूर सतत् अभ्यासरत् रहने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने विजयी खिलाड़ियों को और बेहतर प्रदर्शन करने तथा पराजित खिलाड़ियों को हताशा से परे हर क्षण खेल भावना को जीवित रखने का आव्हान किया। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित कार्यपालक निदेशक(मानव संसाधन) श्री जी.एल.बिजौरा, अखिल भारतीय विद्युत क्रीड़ा नियंत्रण मण्डल के उपाध्यक्ष श्री अजय श्रीवास्तव ने खिलाड़ियों को बधाई दी।

दो दिवसीय स्पर्धा में राजनांदगांव, जगदलपुर, कोरबा पूर्व एवं पश्चिम केन्द्रीय कार्यालय रायपुर एवं जोन कार्यालय रायपुर की टीमें शामिल हुई। इसके फाइनल मुकाबले में जगदलपुर क्षेत्र ने कोरबा पश्चिम को 06 पाईंट से पराजित कर विजेता होने का गौरव प्राप्त किया। पुरस्कार वितरण समारोह में केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के खेल सचिव श्री पी.के.खरे ने खेल प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुये अतिथियों एवं खिलाड़ियों के प्रति आभार प्रदर्शन किया। अतिथियों का स्वागत प्रबंधक श्री हेमन्त सचदेवा तथा कार्यक्रम का संचालन जनसम्पर्क अधिकारी श्री विजय मिश्रा ने किया।

कोरबा पूर्व में तनाव प्रबंधन संगोष्ठी का आयोजन

कोरबा पूर्व में तनाव प्रबंधन पर आयोजित संगोष्ठी में प्रजापिता ब्रम्ह कुमारी संस्था माउंटआबू के विषय विशेषज्ञ एवं ओम शांति चैनल की निर्देशिका डॉ. प्रभा मिश्रा ने व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि आज के जमाने में लोगों के बीच एकदूसरे के प्रति संवेदनायें घटती जा रही है। कम समय में अधिक पाने की लालसा ने जीवन में शांति के बजाय तनाव को जन्म दे दिया है। लोगों में सकारात्मक सोच की कमी हो रही है। ऐसे दौर में सुखी एवं शांत जीवन के लिये उन्होंने वसुधैव कुटुम्बकम की विचारधारा को आत्मसात करने का आव्हान किया।

संगोष्ठी के शुभारम्भ में कार्यपालक निदेशक श्री सी.पी.पाण्डे ने कहा कि विद्युत उत्पादन संयंत्र में कार्यरत कर्मियों के जीवन में तनाव बेहतर परिणाम नहीं दे सकता अतः सभी तनावमुक्त शांतिपूर्ण जीवन के लिये प्रयासरत रहें। इसी क्रम में अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एन.एम.के. नाडिग ने आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम का संयोजन अधीक्षण अभियंता श्री पी.एन.राय तथा संचालन वरि0कल्याण अधिकारी श्री एस.पी.बारले ने किया। इसे सफल बनाने में हरि नायडू, शेख नईमु रहमान का सहयोग सराहनीय रहा।

पूर्व सेवानिवृत्त कर्मियों की ग्रेच्युटी बढ़ी

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर होल्डिंग कंपनी द्वारा जारी आदेशानुसार वर्ष 2006 में सेवानिवृत्त हुये विद्युत कर्मियों को भी "मृत्यु सह सेवानिवृत्ति उपदान" (डेथ कम रिटायरमेंट ग्रेच्युटी) राशि प्रदान की जायेगी। जिसकी अधिकतम सीमा 10 लाख रूपये तक होगी। पूर्व में सेवानिवृत्त कर्मियों को ग्रेच्युटी की अधिकतम राशि 3.50 लाख रूपये प्रदान की गई थी। इस संबंध में पॉवर कंपनी प्रबंधन द्वारा पुनर्विचार कर सेवानिवृत्त जनों के हित में निर्णय लेते हुये 01 जनवरी 2006 से 30 जनवरी 2009 तक की अवधि में सेवानिवृत्त हुये कर्मियों को भी अब अधिकतम 10 लाख रूपये ग्रेच्युटी दी जायेगी।

राजनांदगांव में अन्तरर्क्षेत्रीय पॉवर लिफ्टिंग शरीर सौष्ठव प्रतियोगिता

राजनांदगांव में अन्तरर्क्षेत्रीय पॉवर लिफ्टिंग शरीर सौष्ठव प्रतियोगिता का आयोजन 27 से 29 जनवरी तक किया गया। जिसमें एच.टी.पी.एस. कोरबा के खिलाड़ियों ने दो गोल्ड, पॉच कांस्य, तीन रजत पुरस्कार अर्जित कर चैम्पियन टीम होने का गौरव प्राप्त किया। पॉवर लिफ्टिंग में आर.के.पाटकर, मुन्ना लाल चौधरी ने स्वर्ण पदक, एन.के.दत्ता, रजनीश जांगडे, आर.बंजारा ने रजत पदक तथा व्ही.के.श्रीवास्तव ने कांस्य पदक जीता। शरीर सौष्ठव में मनीष श्रीवास्तव ने कांस्य पदक अर्जित किया।

डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह में राष्ट्रीय संरक्षा सप्ताह का आयोजन

डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह में राष्ट्रीय संरक्षा सप्ताह का आयोजन 04 से 10 मार्च 2011 तक किया गया। 04 मार्च को कार्यपालक निदेशक श्री आर.डी.सोनकर के मुख्य आतिथ्य तथा अधीक्षण अभियंता श्री बी.एन.विश्वास की अध्यक्षता में इसका शुभारम्भ हुआ। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में अधीक्षण अभियंता द्वय श्री एम. सिराजुददीन एवं श्री आर.पाठक उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि श्री सोनकर ने उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों व ठेका श्रमिकों को संरक्षा के परिपालन हेतु शपथ दिलाई। आगे उन्होंने संयंत्र में शून्य दुर्घटना हेतु समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों की सराहना की एवं इस मानक को सतत बनाये रखने का आव्हान किया। श्री सोनकर ने सुरक्षा उपकरणों के समुचित उपयोग को सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया।

इस अवसर पर कार्यपालन अभियंता श्री आर.पार्थन, वरि. रसायनज्ञ श्री डी.के.जायसवाल, वरि0 कल्याण अधिकारी श्री जी. खण्डेलवाल ने भी संरक्षा के संबंध में अपने विचार एवं सुझाव व्यक्त किये। राष्ट्रीय संरक्षा सप्ताह के अन्तर्गत संपन्न हुई प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण समारोह 10 अप्रेल को संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि कारखाना प्रबंधक श्री डी.महतो ने इस अवसर पर संयंत्र में कार्य के दौरान संरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन की महत्ता को उजागर किया एवं इसे गुणवत्तापूर्ण उत्पादकता और शून्य दुर्घटना के लक्ष्य प्राप्ति का मार्ग बताया।

आगे समारोह के अध्यक्ष मुख्य रासायनिज्ञ डॉ. जी.पी.दुबे ने अपने उद्बोधन में व्यक्त किया कि छोटी छोटी असावधानियों के कारण बड़ी दुर्घटनायें घटित हो जाती है अतः छोटी से छोटी सावधानी को भी कार्य के दौरान अमल में लाना चाहिये। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में अधीक्षण अभियंता द्वय श्री बी.एन. विश्वास एवं श्री एम. सिराजुद्दीन उपस्थित थे।

संरक्षा सप्ताह के दौरान आयोजित नारा–कविता प्रतियोगिता में श्रीमती अर्चना जोशी, श्रीमती लखनी साहू, श्री रणधीर कपूर, कु0 नेहा साहू, कु0 हर्षा ठाकुर, निबंध प्रतियोगिता में आर.के. महतो, श्रीमती लखनी साहू, श्री निहारेन्दु साहा, कु0 शिप्रा सान्याल, कु0 हर्षा ठाकुर तथा कु0 नेहा साहू क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम का संचालन श्री पी.के.चौकसे तथा आभार प्रदर्शन कार्यपालन अभियंता (संरक्षा) श्री प्रेमजी पटेल द्वारा किया गया।

श्रद्धांजलि

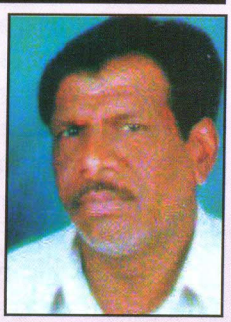

छत्तीसगढ़ राज्य वितरण कंपनी रायपुर के कार्यपालक निदेशक कार्यालय में सेवारत कार्यालय सहायक श्रेणी–दो श्री रामदुलारे पाल का आकस्मिक निधन 16 मार्च 2011 को हो गया। रायपुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री ए.के.तिवारी सहित अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों ने मौन श्रद्वांजलि अर्पित कर मृतक की आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की।

हसदेव बांगो जल विद्युत गृह माचाडोली में अन्तर परियोजना स्तरीय कैरम एवं शतरंज स्पर्धा संपन्न

हसदेव बांगो जल विद्युत गृह में केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद रायपुर के सौजन्य से श्रम कल्याण समिति माचाडोली के तत्वावधान में दो दिवसीय अन्तर परियोजना स्तरीय कैरम एवं शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन 4 तथा 5 मार्च को किया गया। इसमें बालको, एनटीपीसी, एसईसीएल, छ.रा.वि.उ. कंपनी कोरबा पूर्व–पश्चिम तथा मेजबान माचाडोली सहित 6 टीमों ने हिस्सा लिया।

प्रतियोगिता का शुभारम्भ एवं पुरस्कार वितरण समारोह अधीक्षण अभियंता श्री एस.पी.चेलकर के मुख्य आतिथ्य, कार्यपालन अभियंता श्री व्ही.एम. गुप्ता तथा श्री सतीश श्रीवास्तव तथा आलोक गुहा के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्री चेलकर ने कहा कि स्पर्धा में विभिन्न परियोजनाओं की टीमों ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया। इस आयोजन से मनोरंजन के साथ साथ आपसी तालमेल से सीखने का अवसर भी प्राप्त हुआ।

बालको के सर्वश्री अमित गंगटैत, सुनील राय, ए.व्ही.व्ही. मूर्ति, अभय कुलकर्णी, एच.एस. धुर्वे, कैरम विजेता एवं कोरबा पूर्व की टीम उपविजेता रही। जिसमें आलोक गुहा, विनोद राठौर, एस.स्वामी, राजेन्द्र पागे शामिल थे। कैरम सिंगल ओपन में बालको के पी.नवीन विजेता व अमित गंगटैत उपविजेता रहे।

शतरंज प्रतियोगिता में एनटीपीसी के श्री एच.एस.भारद्वाज विजेता तथा कोरबा पश्चिम श्री विनय लाल उपविजेता रहे। कैरम में मुख्य रैफरी श्री आलोक गुहा (नेशनल रैफरी) राजेन्द्र पागे, फिरोज अंसारी, किशोर वर्मा, अंबल मसीह, व्ही.एस.ठाकुर एवं विजय शेवालकर ने निर्णायक की भूमिका अदा की। कार्यक्रम का संचालन कल्याण अधिकारी श्री आर.एस. रात्रे ने किया। समूचे आयोजन को सफल बनाने में मनोज अग्रवाल, अंबल मसीह, आरिफ पीटर स्वामी, रूकमन पटेल का विशेष योगदान रहा।

कोरबा पूर्व में अग्निशमन सेवा सप्ताह का आयोजन

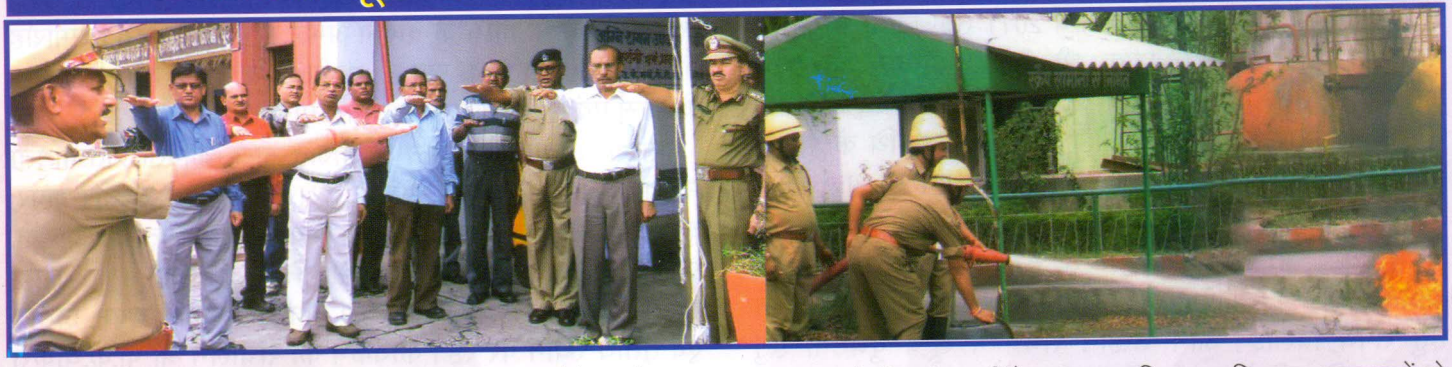

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के कोरबा पूर्व में कार्यपालक निदेशक श्री सी.पी.पाण्डे के मुख्य आतिथ्य, मुख्य अग्निशमन एवं सुरक्षा अधिकारी श्री सी.एस.ठाकुर,वरि0मुख्य रसायनज्ञ श्री ए.के.मोहरीकर के विशिष्ट आतिथ्य तथा कारखाना प्रबंधक श्री एन.एम.के.नाडिग की अध्यक्षता में अग्निशमन सेवा सप्ताह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि श्री पाण्डे द्वारा अग्निशमन ध्वज फहराया गया तथा अग्नि दुर्घटना में दिवंगत लोगों को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर श्री पाण्डे ने विभाग के कर्मियों की सेवा की प्रशंसा करते हुये कहा कि अग्निशमन सेवा सभी सेवाओं से ऊपर है जो कि राष्ट्रीय सम्पत्ति एवं जान–माल की आग से सुरक्षा करती है। विद्युत उद्योग ज्वलनशील पदार्थों पर आधारित है अतः व्यवस्थित रखरखाव एवं समुचित प्रबंधन से अग्नि दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री ठाकुर ने कहा कि छोटी सी चिंगारी ही भीषण आग का रूप धारण कर लेती है। अतः इस ओर सतर्कता एवं सजगता बरतते हुये शुरूआत में ही इस पर नियंत्रण कर लेना चाहिये। इसी क्रम में श्री मोहरीकर एवं श्री नाडिग ने भी अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम पर अपने विचार व्यक्त किये। उप अग्निशमन अधिकारी श्री एच. आर.साहू ने विभागीय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। अग्निशमन उपकरणों के बारे में श्री एच.आर. पटेल ने जानकारी दी।

अग्निशमन सेवा सप्ताह में नारा,कविता लेखन हेतु एस.के.साहू, रामकृष्ण राठौर, कु. प्रीति साहू, श्रीमती कविता ठक्कर, मंहत कुमार शर्मा, छविराम साहू को पुरस्कृत किया गया। अग्निशमन कर्मियों के लिये आयोजित फायर टेण्डर से होज पाईप लाइनिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले समूह में शामिल जी.पी.पनारिया, जी.पी.कैथवास, बी.एल.राठौर, आर.एस.परस्ते तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले समूह में आर.एन.प्रजापति, आई.एन.सेन, एस.के.शुक्ला, पी.टी. लकरा शामिल रहे। फायर टेण्डर चालकों के लिये पम्प गेयर लगाने की प्रतियोगिता में जगत सिंह एवं तिलक निर्मलकर पुरस्कृत किये गये। साथ ही ईएमडी–3 एवं टीएमडी–2 तथा सब फायर आफिसर श्री एच.आर. पटेल पुरस्कृत किये गये।

कार्यक्रम का संयोजन श्री जेके राम अधीक्षण अभियंता, आभार प्रदर्शन एम.एल.केरकेटा तथा संचालन वरि.कल्याण अधिकारी श्री एस.वी.बारले ने किया।

कोरबा पूर्व में कर्मियों के बीच संरक्षा का संदेश प्रसारित

कोरबा पूर्व में आयोजित राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह के मुख्य अतिथि श्री सी.पी.पाण्डे ने सुरक्षा के प्रति सतत सतर्कता एवं जागरूकता का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा के उपायों में लापरवाही एवं चूक से घटित दुर्घटनाओं का दुष्परिणाम हर दृष्टि से हानिकारक होता है। कार्यस्थल पर स्वस्थ तन–मन से सुरक्षा साधनों को अमल में रहते हुये कार्य करना बहुजन हिताय–बहुजन सुखाय को प्रदर्शित करता है। अतः सुरक्षा नियमों को आदत में शामिल करना एवं सुरक्षा उपकरणों को मित्र बनाना संयंत्र कर्मियों के लिये आवश्यक है।

4 से 11 मार्च तक आयोजित सुरक्षा सप्ताह के विशिष्ट अतिथि श्री ए.के.मोहरीकर ने कहा कि सुरक्षा के प्रति जागरूकता से ही हमने शून्य दुर्घटना के लक्ष्य को अर्जित किया है। इसे सतत् बनाये रखना हमारा दायित्व है। इसी क्रम में कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री एन.एम.के. नाडिग ने उपस्थित कर्मियों को सुरक्षा शपथ दिलाया तथा संयंत्र के सेफ्टी आडिट में बताये गये सुझावों को अमल में लाने पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री एस.एस.टिल्लू, ने कहा कि एकाग्रता दुर्घटना नियंत्रण के लिये आवश्यक है। कार्यक्रम में डॉ. एस.सी.खरे, वरि0चिकित्सा अधिकारी द्वारा उद्योगजनित बीमारियों के कारण एवं उनसे बचने के उपायों की जानकारी दी। सुरक्षा सप्ताह के अन्तर्गत आयोजित निबंध,नारा, कविता प्रतियोगिता के पुरस्कृतजनों तथा अग्निशमन विभाग एवं केन्द्रीय सुरक्षा समिति के सदस्यों, चिकित्सालय को सम्मानित किया गया।

सौ साल का हुआ इंटरनेशनल वूमेंस डे

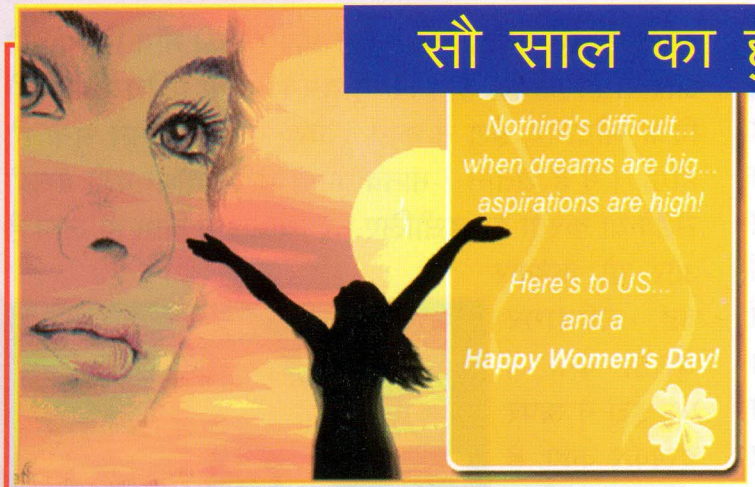

वर्षों से दुनिया भर में हर साल आठ मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में सेलिब्रेट किया जा रहा है, लेकिन बहुत कम लोगों को इस बात की जानकारी है कि शुरू के दो साल इसे 19 मार्च को मनाया गया और इसका मूल नाम अंतर्राष्ट्रीय कामकाजी महिला दिवस था। पहली बार अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 19 मार्च 1911 को मनाया गया था। दुनिया भर के विभिन्न देशों में रहने वाली महिलाओं को समर्पित यह एक ऐसा दिन है, जो समाज में उनकी भूमिका, उनके संघर्ष, उनके श्रम और विभिन्न क्षेत्रों में उनके योगदान को आदरांजलि और उनकी स्वतंत्रता व अधिकारों को मुखरता देता है। 20 वीं सदी के आरंभ में जब औद्योगिक प्रगति ने जोर पकड़ा तो महिलाओं ने भी घर की चाहरदीवारियों से बाहर आकर मिलों और फैक्ट्रियों आदि में काम करना शुरू कर दिया। लेकिन, कार्यस्थलों पर उनके साथ समानता का बर्ताव नहीं होता था और न ही उन्हें कामकाज का अनुकूल माहौल मिल पा रहा था। इस बात ने उन्हें बदलाव की मुहिम चलाने के लिए प्रेरित किया। आर्थिक प्रगति के साथ–साथ महिलाएं आत्मनिर्भर और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने लगी, जिनसे उन्हें पुरूष प्रधान समाज में वंचित किया जाता रहा था। 1908 में पहली बार करीब पंद्रह हजार महिलाओं ने वोट डालने के अधिकार, कामकाज के घंटे कम करने और बेहतर मेहनताने की मांग के साथ न्यूयार्क में मोर्चा निकाला। यही वह वक्त था, जब अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाए जाने का विचार सामने आया। इसके बाद अमेरिका में सोशलिस्ट पार्टी की घोषणा के बाद 28 मार्च 1909 को राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाया गया। 1910 में सोशलिस्ट पार्टी ने पहली अंतर्राष्ट्रीय महिला कांफ्रेस आयोजित की, जिसमें विश्व भर के महिला अधिकार आंदोलनों का समर्थन करने और उनकी स्थिति सुधारने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा गया। इस कांफ्रेस में हिस्सा लेने आई 17 देशों की सौ से अधिक महिलाओं ने इसका दिल खोलकर स्वागत किया। इस निर्णय का अनुसरण करते हुए 19 मार्च, 1911 को आस्ट्रिया, डेनमार्क, जर्मनी, स्विटजरलैंड और अनेक यूरोपीय देशों में पहली बार अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इस तारीख का ऐतिहासिक महत्व था, क्योंकि 19 मार्च 1848 को परशिया (आज का उत्तरी जर्मनी और उत्तरी पोलैंड) राजा ने महिलाओं के लिए बहुत सारे सुधारों का वादा किया था। रूसी महिलाओं ने अपना पहला महिला दिवस 1913 में फरवरी के अंतिम रविवार को मनाया था। इसी वर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला कांफ्रेस आठ मार्च को आयोजित हुआ, और इसी को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस निर्धारित कर दिया गया। आज विश्व भर के सभी प्रमुख देशों में यह तारीख अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाई जाती है। आर्मेनिया, रूस, अजरबेजान, बेलारूस, बल्गारिया, कजाखिस्तान, किर्गिज्स्तान, वियतनाम जैसे देशों में इस दिन सार्वजनिक अवकाश रहता है।

चिन्तारहित जीवन ही सुख का आधार

गुड फाइडे मनुष्यता के लिये बलिदान का पुण्य दिवस है। प्रभु यीशु ने विषम परिस्थितियों में जन्म लेकर मानव कल्याण हेतु बहुत कष्ट उठाये। अबोध, अज्ञान और अंधविश्वास के अंधकार में डूबे लोगों के जीवन में मानवता और अमन चैन का पैगाम पहुंचाने वाले प्रभु यीशु मसीह को इस दिन सलीब पर चढ़ाया गया था। प्रभु यीशु को याद करते हुये प्रार्थना करने की परंपरा गुड फ्राइडे पर है।

प्रभु यीशु कहते हैं कि चिन्ता मत करो। चिन्तारहित जीवन ही सुख का आधार है। खाना–पीना, रहना, पहनना, ओढ़ना जैसी बातों से परे रहने वाला सदैव निरोगी कायाधारी होता है। प्रभु यीशु ने आगे कहा कि धर्म और पुण्य को संग्रहित करें इसका संग्रहण वह अक्षय पूंजी है, जो कभी चोर चुरा नहीं सकता। यह मृत्युपरांत भी आपके साथ जाने वाली पूंजी है।

भगवान ईसा मसीह ने कुछ ऐसी अनमोल शिक्षायें भी दी है जो मानव कल्याण के लिये सर्वोत्तम है। उन्होंने कहा है कि ऑखे मानव शरीर के लिये दीपक की तरह है, ऑखे अच्छी हैं, दृष्टि में उत्कृष्टता है, पवित्रता है तो मानव शरीर भी पूर्णता प्रकाशमान रहेगा, किन्तु ऑखों में कुटिलता, स्वार्थ है तो निश्चित रूप से मानव शरीर भी ऐसी व्याधियों से घिरा हुआ अंधकारमय रहेगा। इसलिये उन्होंने मानव जगत को सावधान करते हुये कहा है कि जिस तरह दीपक अपनी किरणों से सबको परोपकार की भावना से आलोकित करता है उसी तरह मानव के मन में भी परोपकार की भावना सदैव होना चाहिये।

प्रभु यीशु ने पक्षियों का उदाहरण देते हुये कहा कि पक्षियों के पास कोई सुरक्षित भण्डार नहीं है, फिर भी उनका नियमित भरणपोषण प्रकृति करती है। हे मनुष्यों तुम पक्षियों से कहीं बढ़कर हो। अतः स्वहित में चिन्ता में घिरे रहने के बजाय परहित को अपनी दिनचर्या में शामिल करो, ईश्वर पुत्र कहलाओगे।

उपयोगी चीजें

प्रभु ईशु एक बार रास्ते से जा रहे थे कि उन्हें पॉच गधों पर बड़ी–बड़ी गठरियां लादे एक सौदागर दिखाई दिया । उन गठरियों का बोझ वे बेचारे गधे संभाल भी नहीं पा रहे थे। अतः ईशु ने सौदागर से प्रश्न किया, सौदागर, इन गठरियों में तुमने ऐसी कौन सी चीजें रखी हैं, जिन्हें ये बेचारे गधे वहन नहीं कर पा रहे हैं ? "इन गठरियों में मानवोपयोगी चीजें भरी हुई हैं और इनकी बिक्री के लिए मैं बाजार जा रहा हूं, उस सौदागर ने जवाब दिया । अच्छा कौन–कौन सी चीजें हैं इनमें, जरा मैं भी तो जानूं, ईशु ने पूछा । यह जो पहला गधा आप देख रहे हैं न, इस पर अत्याचार की गठरी लदी हुई है।

आश्चर्य से ईशु ने पूछा, भला अत्याचार को कौन खरीदेगा? "इसके खरीदार हैं राजा–महाराजा तथा सत्ताधारी लोग । काफी ऊंची दर पर बिक्री होती है इसकी। अच्छा, इस दूसरी गठरी में क्या है ?" यह गठरी तो अहंकार से भरी हुई हैं और इसके खरीदार हैं सांसारिक लोग । तीसरे गधे पर ईर्श्या की गठरी लदी हुई है । इसके ग्राहक हैं ज्ञानी तथा विद्वान लोग। अच्छा । चौथी गठरी में क्या है सौदागर ? इसमें बेईमानी भरी हुई है और इसके ग्राहक हैं व्यापारी लोग, और अंतिम गधे पर ? उस पर छल कपट से भरी गठरी रखी हुई है और इसकी मॉग स्त्रियों की ओर से ही अधिक है । किन्तु तुमने अपना परिचय तो नहीं दिया सौदागर, ईशु ने कहा । मेरा नाम तो तुमने सुना ही होगा । मैं हूँ शैतान ! मानव जाति मेरी प्रतीक्षा बड़ी बेसब्री से किया करती है। इसीलिए मेरे व्यापार में लाभ ही लाभ है और यों कहकर वह सौदागर चलता बना । प्रभु ईशु ने ऊपर देखकर कहा, हे प्रभु! इस मानव जाति को कुछ सद्‌बुद्धि प्रदान करो ताकि वे उन्हें इतना तो ज्ञान प्राप्त हो कि वे क्या खरीदने जा रहे हैं ?

डीएसपीएम ताप विद्युत गृह में एश वाटर रीसाइक्लिंग प्रणाली का संचालन

डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह कोरबा पूर्व अपने स्थापना काल से ही प्रत्येक माह नये कीर्तिमान गढ़ रहा है। इसी कड़ी में जल संरक्षण के महत्व को ध्यान में रखते हुये कार्यपालक निदेशक श्री आर.डी.सोनकर के निर्देशन में इस ताप विद्युत गृह में कार्यरत अभियंताओं द्वारा पूर्व से लम्बित एश वाटर रीसाइक्लिंग प्रणाली (AWRS) को पूर्ण करने का संकल्प लेकर इसे 31 मार्च 11 को संचालन में

लाया गया। इस प्रणाली के अंतर्गत राखड़ बॉध के समीप एक पम्प हाउस का निर्माण किया गया है जिसमें 500 घन मीटर प्रति घंटा क्षमता के 03 पम्प लगाये गये हैं जिनके द्वारा राखड़ बॉध से 14 कि.मी. लम्बी पाइप लाइन द्वारा पानी वापिस ताप विद्युत गृह स्थित क्लेरीफायर में लाने के पश्चात् रासायनिक उपचार करने के बाद पुनः उपयोग किया जा रहा है। इस प्रकार 400 से 800 घन मीटर पानी प्रति घंटा राखड़ बॉध से वापिस प्राप्त होने पर रॉ वाटर जो कि विद्युत गृह क्रं. 2 तथा 3 की रिर्टन केनाल से लिया जाता है उसकी खपत में 9600 से 19200 घन मीटर प्रतिदिन कमी परिलक्षित हो रही है।

इस ताप विद्युत गृह द्वारा "एश वॉटर रीसाइक्लिंग" को संचालन में लाने से रॉ–वाटर की खपत में कमी के साथ साथ आर्थिक बचत भी होगी। ईडी श्री सोनकर ने इस प्रशंसनीय कार्य हेतु अपने अधीनस्थ समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों को बधाई दी।

हमारे गौरव

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी कोरबा पश्चिम में कार्यरत संयंत्र सहायक श्रेणी–दो श्री रवीन्द्र कुमार साहू की सुपुत्री कु. गीतिका साहू बहुमुखी प्रतिभा की धनी हैं। वर्तमान में बी.ई0 (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग) में अध्ययनरत् कु0 साहू ने बारहवीं की परीक्षा सभी विषयों में विशेष योग्यता के साथ 92 प्रतिशत अंकों के साथ सरस्वती शिशु मंदिर हायर सेकण्डरी स्कूल बिलासपुर से उत्तीर्ण किया। शिक्षा क्षेत्र के अलावा इन्होंने गंधर्व महाविद्यालय मुंबई से गायन में विशारद (अध्ययनरत) के साथ ही गिटार वादन, चित्रकला, रंगोली में भी अपनी प्रतिभा को समय समय पर प्रदर्शित कर पुरस्कृत होने का गौरव प्राप्त किया है। ..... बधाई।

" Two Words That Can Change The Way We Approach Life ' Can I & I Can' Think Which Option U Would Like To Choose..!!"

डीएसपीएम ताप विद्युत गृह कोरबा पूर्व ने वित्तीय वर्ष 2010–11 में बनाया अद्वितीय कीर्तिमान

डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह, कोरबा पूर्व ने इस वित्तीय वर्ष 2010–11 में 96.81 प्रतिशत पी.एल.एफ. के साथ कुल 4240.074 मि.यू. बिजली का उत्पादन कर गौरवशाली कीर्तिमान स्थापित किया है। इस संयंत्र को देश की समस्त राज्य इकाईयों एवं केन्द्र की सार्वजनिक इकाईयों में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। विदित हो कि इस संयंत्र ने विगत वित्तीय वर्ष में 87.65 प्रतिशत पीएलएफ के साथ 3838.930 मि.यू. विद्युत का उत्पादन किया था। इस प्रकार विगत वर्ष की तुलना में इस वित्तीय वर्ष में 401.14 मिलीयन यूनिट अधिक बिजली का उत्पादन कर लगभग 26 करोड़ रूपये की आय अर्जित की। इसके अलावा विशिष्ट तेल खपत मात्र 0.31 मिली लीटर प्रति यूनिट की है जिससे संयंत्र ने लगभग 6 करोड़ रूपये की बचत करने में सफलता प्राप्त की।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग द्वारा पीएलएफ का लक्ष्य 85 प्रतिशत तथा विशिष्ट तेल खपत 0.76 मिलीलीटर प्रति यूनिट निर्धारित किया गया था। कीर्तिमानों की श्रृंखला रचते हुये डीएसपीएम ताप विद्युत गृह द्वारा डी.एम. वॉटर खपत तथा विद्युत आक्जलरी खपत में भी कमी की गई है। इस संयंत्र की डी.एम.वाटर खपत इस वित्तीय वर्ष में 0.81 प्रतिशत रही जो कि विगत वर्ष की तुलना में 0.97 प्रतिशत से कम है, जिससे संयंत्र को लगभग 9 करोड़ रूपये तथा आक्जलरी खपत खपत विगत वर्ष 7.78 प्रतिशत की तुलना में 7.61 प्रतिशत रही जिससे लगभग 20 लाख रूपये की बचत हुई। इसी के साथ ही कोयला खपत में भी

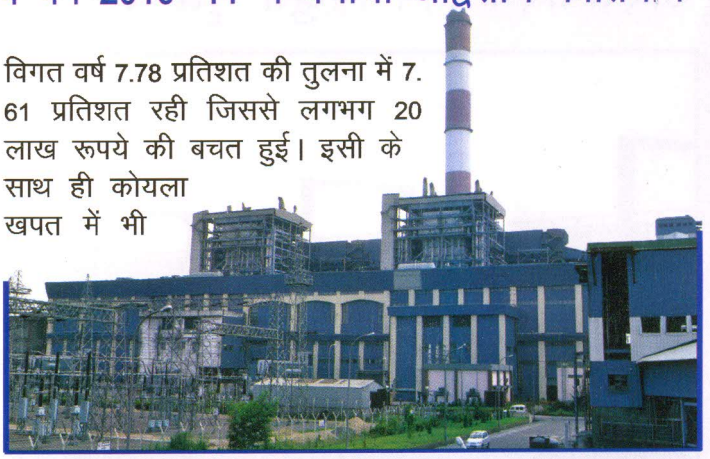

कमी आई है। इस संयंत्र ने विगत वर्ष 0.76 किलोग्राम प्रति यूनिट कोल खपत की थी जिसकी तुलना में इस वर्ष 0.71 किलोग्राम प्रति यूनिट कोल खपत हुई जिससे 18 करोड़ रूपये की बचत हुई।

डीएसपीएम ताप विद्युत गृह की नवीनतम उपलब्धियों के लिये छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर जनरेशन कंपनी के एमडी श्री व्ही.के श्रीवास्तव एवं संयंत्र के कार्यपालक निदेशक श्री आर.डी.सोनकर ने संयंत्र में कार्यरत समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों एवं ठेका श्रमिकों की कार्यकुशलता की प्रशंसा कर उन्हें बधाई प्रेषित की।

गणगौर : सुखद दाम्पत्य का पर्व

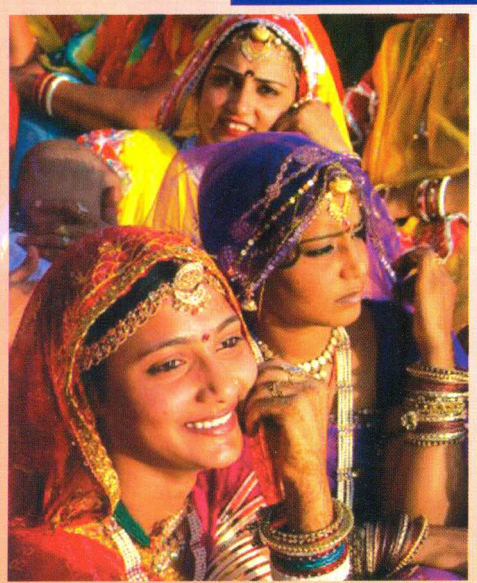

गणगौर का त्यौहार सदियों पुराना है। संपूर्ण मानवीय संवेदनाओं का गहरा संबंध इस पर्व से जुड़ा रहा है। गणगौर शब्द का गौरव अंतहीन पवित्र दाम्पत्य जीवन की खुशहाली से जुड़ा है। कुंवारी कन्याएं अच्छा पति पाने के लिए और नवविवाहिताएं अखंड सौभाग्य की कामना के लिए यह त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मनाती है, व्रत करती है, सज–धज कर सोलह श्रृंगार के साथ गणगौर की पूजा की शुरूआत करती है। गणगौर त्यौहार विशेषतः पश्चिम भारत खासतौर से राजस्थान, गुजरात, निमाड़–मालवा में मनाया जाता है। गणगौर का त्यौहार होली के दूसरे दिन से ही आरंभ हो जाता है जो पूरे अठारह दिन तक लगातार चलता है। चैत्र कृष्ण प्रतिपदा से कुंवारी कन्यांए और नवविवाहिताएं प्रतिदिन गणगौर पूजती है, वे चैत्र शुक्ला द्वितीया (सिंजारे) के दिन किसी नदी, तालाब या सरोवर पर जाकर अपनी पूजी हुई गणगौरों को पानी पिलाती है और दूसरे दिन सायंकाल के समय उनका विसर्जन कर देती है। अठारह दिनों तक चलने वाले इस त्यौहार में होली की राख से सोलह पीडियां बनाकर पाटे पर स्थापित कर आस–पास ज्वारे बोए जाते है। ईसर अर्थात शिव रूप में गण और गौर रूप में पार्वती को स्थापित कर उनकी पूजा की जाती है। मिट्टी से बने कलात्मक रंग–रंगीले ईसर गणगौर झुले में झुलाए जाते है। सायंकाल बींद–बींदणी बनकर बागों में या मोहल्लों में रंग–बिरंगे परिधान, आभूषणों में किशोरियां और नवविवाहिताएं आमोद–प्रमोद के साथ घूमर नृत्य करती है, आरतियां गाती है, गौर पूजन के गीत गाकर खुश होती है। जल, रोली, मौली, काजल, मेहंदी, बिंदी, फूल, पत्ते, दूध, पाठे हाथों में लेकर वे कामना करती है कि हम भाई को लड्डू देंगे, भाई हमें चुनरी देगा। पूरे राजस्थान में गणगौर उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। नाचना और गाना तो इस त्यौहार का मुख्य अंग है ही। घरों के आंगन में, सालेड़ा आदि नाच की धूम मची रहती है। परदेश गए हुए इस त्यौहार पर घर लौट आते है। जो नहीं आते है उनकी बड़ी आतुरता से प्रतीक्षा की जाती है। गणगौर का पर्व दायित्वबोध की चेतना का संदेश है। इसमें नारी की अनगिनत जिम्मेदारियों के सूत्र गुंफित होते है। यह पर्व उन चौराहों पर पहरा देता है, जहां से जीवन आदेशों के भटकाव की संभावनाएं है। यह उन आकांक्षाओं को थामता है जिनकी गति तो बहुत तेज होती है पर जो बिना उछेश्य बेतहाशा दौड़ती है। यह पर्व नारी को शक्तिशाली ओर संस्कारी बनाने का अनूठा माध्यम है। वैयक्तिक स्वार्थो को एक और रखकर औरों को सुख बांटने और दुःख बटोरने की मनोवृति का संदेश है। गणगौर सिर्फ कुंवारी कन्याओं या नवविवाहिताओं का ही त्यौहार नहीं है अपितु संपूर्ण मानवीय संवेदनाओं को प्रेम और एकता में बांधने का निश्ठासूत्र है। इसलिए गणगौर का मूल्य केवल नारी तक सीमित न होकर मानव के नों तक पहुंचे।

सीधी सच्ची बात

बरसों पहले माँ से छिप, इक आम छिपाया था आँगन में,
भूल गई या मिला ना मौका बचपन की शैतानी धुन में।

इक दिन चुलबुल आँखों ने आँगन में देखा नव आगंतुक,
हरे हरे दो हाथ हिला जो बुला रहा था,
आ, अब मत रूक।
याद आया वो छुपा आम जो अब इक पौधा बन बैठा था,
हरित पात पे सृष्टि ने मानों खुलकर
उसका भाग्य लिखा था।
अहा आम की नव आकृति,
थी बसी जा रही सबके मन में।
इक आम छिपाया था आँगन में।

विस्तृत होते तन में कोमल मन ले
दिन पर दिन था बढ़ा जा रहा।
छू लेने को अर्श, फर्श को छोड़ अकेला चढ़ा जा रहा।
पर उपकार का भाव संजोए चला जा रहा अपनी धुन में।
इक आम छिपाया था आँगन में।

फर्ज का कर्ज उतारा उसने खूब फला वो झूमझूम कर,
भरी अचार मुरब्बा बरनी, आम बँटे हर परिचित के घर।
गली मोहल्लों के बच्चों को खूब झुलाया सावन में।
इक आम छिपाया था आँगन में।

कितना करते उपकार ये हम पर
बदले में पर क्या पाते हैं,
नाम विकास का, पर विनाश की
बेदी पर बलि चढ़ जाते हैं।
एक वृक्ष का कट जाना,
घट जाना, प्राण का वातायन में।

मीलों लंबी सड़कों पर अब छाँव नहीं मिलती है पल भर
इंच इंच धरती पर पत्थर जड़ के बनाया धरा को बंजर,
गर्म सूर्य की तप्त हवा झुलसाती धरती को हर पल,
गगन चूमती इमारतें, हर ओर बसा कंकरीट का जंगल।
तृण भी अपनी जड़ें ढूँढता भटक रहा है मधुबन में।

कहते हैं इक वृक्ष लगाओं, सौ यज्ञों का शुभ फल पाओ,
कहाँ दीख पड़ती है माटी जिसमें कोई बीच उगाओ।
उठो बंधुओ अलग जगाओ, हर जन विश्नोई बन जाओं,
धरती पर हरियाली लाओ वरना प्राणी तड़प उठेंगे।
रह जायेंगे महल दुमहले, दिल ना लेकिन धड़क सकेंगे।

ईरा पंत
अनुभाग अधिकारी, कोरबा

क्या लिखूँ

क्या लिखूँ ?इंसान को इंसान लिखूँ या इंसान का ईमान लिखूँ
जिसमें इंसानियत ही नहीं, भला क्या नाम लिखूँ
इंसानो के इतिहास में, नेता लिखूं या अभिनेता लिखूँ
किसी नेता का विश्वास लिखूँ या विश्वासघात लिखूं
या उजड़ रहे किसी का घर बार लिखूं
हो रहे साजिश, अन्याय, अत्याचार पर किस किस का नाम लिखूं
बढ़ती हुई जनसंख्या के शिखर पर चीन लिखूं या हिन्दुस्तान लिखूं
पीते हैं शान समझकर बीड़ी सिगरेट, मान लिखूं या अपमान लिखूं
पूछो अपने दिल से, भला लिखूं या बुरा लिखूं
घूमते हैं परिधान समझकर, साधु के वेश में लुटेरे बनकर
देते हैं ईश्वर की दुआ, किस किस का नाम लिखूं
सूरज के उगने से ठहर नहीं पाता,इस तिमिर का क्या क्या नाम लिखूं
क्या लिखूं ?इंसान को इंसान लिखूं या इसान का ईमान लिखूं।

नीरज वर्मा, सहायक अभियंता (ट्रेनी)
छ.ग.पॉवर जन.कं. पीआरजी–2

"तनावमुक्त जीवन व शून्य दुर्घटना" पर आधारित दो दिनी कार्यशाला संपन्न

तनावमुक्त जीवन व शून्य दुर्घटना के लक्ष्य पर केन्द्रित दो दिवसीय कर्मचारी विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन रायपुर उत्तर सम्भाग तथा भाटापारा सम्भाग में किया गया। भारत सरकार के केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के सहयोग तथा औद्योगिक सम्बन्ध एवं श्रम कल्याण विभाग छ.रा.विद्युत पॉवर होल्डिंग कम्पनी के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक रायपुर क्षेत्र श्री ए.के.तिवारी मुख्य अतिथि तथा औद्योगिक सम्बन्ध अधिकारी श्री रघुवर दयाल सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे.

इन अवसरों पर कार्यपालक निदेशक रायपुर क्षेत्र श्री ए.के. तिवारी ने कर्मचारियों को प्रशिक्षण कार्यक्रम की महत्ता प्रतिपादित करते हुए कहा कि कार्यशाला में प्राप्त जानकारी का लाभ अपने निजी जीवन और संस्थान में कार्यकुशलता बढ़ाने के लिये किया जाये।

उन्होंने जानकारी दी कि विद्युत वितरण कम्पनी के प्रबंध निदेशक श्री सुबोध कुमार सिंह (आईएएस) के संकल्प के अनुरूप कम्पनी में जीरो एक्सीडेंट के लक्ष्य को हासिल करने के लिये पॉवर कम्पनी के सभी 18 हजार कर्मियों के सहयोग और जागरूकता की आवश्यकता है. ऐसे प्रशिक्षण से निश्चित रूप से संस्थान को लाभ होगा।

पॉवर वितरण कम्पनी के रायपुर और भाटापारा सम्भाग के 20–20 कर्मचारियों की उपस्थिति में प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा मण्डल की ओर से रायपुर उत्तर के शिविर में श्रमिक शिक्षा अधिकारी श्री कोमल सिंह ठाकुर और भाटापारा के शिविर में श्री अरविंद एस. धुर्वे द्वारा विभिन्न उदाहरणों, कहानियों, वृत्त चित्रों, प्रश्नावली प्रतियोगिता आदि माध्यमों से समय प्रबंधन, सुरक्षा के महत्व, सुरक्षा के प्रति व्यक्तिगत व सामूहिक जिम्मेदारी, सुरक्षा के लाभ, तनाव प्रबंधन आदि महत्वपूर्ण बिंदुओं को अत्यंत रोचक एवं सहज ढंग से विश्लेषित किया गया.

इस अवसर पर रायपुर क्षेत्र के कल्याण अधिकारी श्री दीनानाथ वर्मा ने भी कार्यक्रम की प्रासंगिकता तथा उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुये कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन किया। उन्होंने बताया कि पॉवर कम्पनी में वर्ष भर होने वाले कर्मचारी विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम औद्योगिक सम्बन्ध अधिकारी श्री रघुवर दयाल सिंह के मार्गदर्शन में संपन्न किये जा रहे हैं।

डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह में अग्नि निवारण सप्ताह का आयोजन

डॉ0 यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह कोरबा पूर्व में अग्नि निवारण सप्ताह का शुभारम्भ 14 अप्रेल 2011 को कार्यपालक निदेशक श्री आर.डी.सोनकर के मुख्य आतिथ्य तथा मुख्य अग्निशमन एवं सुरक्षा अधिकारी श्री सी.एस.ठाकुर के विशिष्ट आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर वरिष्ठ अग्निशमन अधिकारी श्री एम.के.रैकवार ने अग्निशमन गतिविधियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

मुख्य अतिथि श्री सोनकर ने इस अवसर पर संयंत्रों में आग लगने के संभावित कारणों का उल्लेख करते हुये कहा कि अग्नि से सावधानी रखना अग्नि निवारण से बेहतर है। इसी क्रम में श्री ठाकुर ने अपने उद्बोधन में 14 अप्रेल 1944 को मुंबई के विक्टोरिया डॉक यार्ड में खड़े पोर्ट स्टीकिंस जहाज में लगी भीषण आग तथा उसके शमन में शौर्य साहस के साथ जुटे 66 अग्नि वीरों की आहुति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसी पृष्टभूमि के कारण प्रतिवर्ष देश में अग्निशमन सेवा दिवस मनाया जाता है।

अग्नि निवारण सप्ताह का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री डी.महतो के मुख्य आतिथ्य तथा वरिष्ठ रसायनिज्ञ डॉ. जी.पी.दुबे की अध्यक्षता में 20 अप्रेल को आयोजित किया गया। समारोह में श्री मेहतो ने अग्निशमन विभाग के कार्यों की खुली प्रशंसा की। कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ0 दुबे ने अग्निशमन प्रशिक्षण की महत्ता एवं आवश्यकता को प्रतिपादित किया।

समारोह में अग्निशमन सप्ताह के दौरान नारा स्पर्धा के पुरस्कृतजन सर्वश्री आर.पी.टंडन, रणधीर कपूर, बी.बी.पी.मोदी तथा नरेन्द्र शाह एवं ए.के. अन्जय, कु0 साहू को प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन व आभार प्रदर्शन कार्यपालन अभियंता श्री आर. पार्थन द्वारा किया गया।

अनबूझे तीर.... गम छा गया

नौकरी के दौरान कुछ ऐसी स्थिति निर्मित हो जाती है या कहें अनजाने में ही एक ऐसा हंसी का खजाना स्वमेव ही फूट पड़ता है जिसका उल्लेख करना मजेदार हो जाता है। गुरूनानक जी कहते हैं कि नानक दुखिया सब संसार, गौतम बुद्ध कहते हैं दुख का कारण तृष्णायें है। कुछ भले मानस कहते हैं कि अधिकारी बनने के बाद गंभीर रहना चाहिये, हंसने में कंजूसी करना चाहिये। अधिकारियों को खुलकर हंसना मना है, आदि आदि। इसी धारणा के चलते अधिकांश अधिकारियों के खाने में भोजन से ज्यादा दवाईयॉ रहती है।

हंसने से परहेज रखने वालों को ज्ञात होना चाहिये कि हंसने से चेहरे का मनहूसपन दूर होता है। फेफड़े को भी सौभाग्य से पूरी तरह से शुद्ध हवा भरने का समुचित अवसर मिलता है। इसी संदर्भ में घटित एक घटना है जब सहायक अभियंता के पद पर एक छोटे से तहसील में मेरी पदस्थापना हुई थी। उसी उपसंभाग के अन्तर्गत 1985 में दुर्ग जिले के एक वितरण केन्द्र में कनिष्ठ अभियंता के पद पर श्री चोलकर जी पदस्थ थे। उस समय मीटर के टर्मिनल के साथ साथ आईसीटीपी कटआउट में भी सील लगाये जाने का प्रचलन था।

ऐसे दौर में उस वितरण केन्द्र में पधारे आडिट वालों को कुछ न मिला तो उन्होंने सभी उपभोक्ताओं के उक्त सील के टूट जाने एवं उन्हें पुनः लगाने के नाम पर प्रत्येक उपभोक्ता हेतु 24 रूपये का रिकव्हरी निकाल दिया। इस प्रकार लगभग 678 उपभोक्ता चपेट में आये। इनकी राशि वसूलना कठिन समस्या थी। आसपास के गांव वाले विधायक जी के साथ मिलकर विद्युत विभाग के खिलाफ 24 रूपये अतिरिक्त राशि के नाम पर आंदोलन करने की योजना बनाने लगे।

तब श्री चोलकर जी ने एक युक्ति निकाली। जिससे उपभोक्ता आंदोलन भी न करें और राशि भी जमा कर दें। उस दौरान सामान्य उपभोक्ताओं का मासिक बिल भी 20 से 50 रूपये के बीच ही होता था। श्री चोलकर जी ने विधायक जी के कनेक्शन के नाम पर स्वयं उक्त राशि जमा कर रसीद अपने पास रख लिया। फिर जब कोई उपभोक्ता आकर उन्हें आडिट रिकव्हरी के संबंध में उल्टी सीधी बातें करते विधायक जी के साथ आंदोलन करने की धमकी देता तो चोलकर जी कहते थे– विधायक जी ने तो 24 रूपये पहले ही जमा कर दिये हैं विश्वास न हो तो ये रसीद देख लिजिये। ऐसा करने से वह उपभोक्ता स्वयं भी राशि जमा कर देता था। इस प्रकार लगभग 677 उपभोक्ताओं ने राशि जमा कर दी।

एक दिन स्वयं विधायक जी भी उनके कार्यालय में आये और कहने लगे कि मेरा भी 24 रूपये ले लिजिये। इस पर चोलकर जी ने अपने जेब से विधायक महोदय के नाम कटी रसीद उन्हें दे दी। इस प्रकार बिना आंदोलन के आडिट की रिकव्हरी संपन्न हो गई।

इसी प्रकार एक अन्य घटना है चोलकर साहब के पास एक वकील साहब आये और शिकायत करते हुये बोले कि बिजली बिल में मेरे नाम पर त्रिवेदी के स्थान पर आपने द्विवेदी छपवा दिया है। आपने तो पूरा एक वेद ही मेरे नाम से कम कर दिया। चोलकर साहब ने अपने बाबू को आवाज दी और कहा कि वकील साहब का नाम सुधारकर चतुर्वेदी लिख दो। यह सुनकर वकील साहब ने कहा आप फिर गलत नाम लिखवा रहे हैं। उत्तर में चोलकर जी ने उन्हें हंसते हुये समझाया कि हमने द्विवेदी लिखकर आपके एक वेद का लॉस किया है अतः कम्पनसेशन स्वरूप कुछ काल तक आपके नाम के साथ चतुर्वेदी लिखना जरूरी है।

अब सेवानिवृत्त हो चुके श्री चोलकर साहब बड़े विनोदी स्वभाव के हैं। उनके विनोदीपन का एक और मजेदार बात यह भी है। एक बार लाईन पेट्रोलिंग के दौरान उनका गमछा कहीं खो गया। इस पर उन्होंने छोटी सी एक रचना कर अपनी व्यथा को इस प्रकार व्यक्त किया– जब से मेरा गमछा गया है, तब से मुझे गम छा गया है।

इसी तरह की एक घटना है। एक गॉव में केबल जल जाने के कारण लाईन बंद हो गई थी। उस समय गांव में मोटर साईकिल या साईकल बहुदा कम ही होती थी। अतः गॉव वाले अक्सर पैदल ही शिकायत करने आते थे। ऐसे शिकायतकर्ता को लाईनमेन ने बताया होगा कि केबल बड़ी भारी होती है, अतः साहब गाड़ी से छुड़वा देंगे तो ठीक रहेगा। अन्यथा साहब से केबल मांगकर तुम लोग गॉव तक केबल ले आओ तो मैं लगाने की व्यवस्था कर दूंगा। गांव वाले चोलकर साहब के पास केबल लेने पहुंचे। उनके बीच हुई बातचीत मजेदार बन पड़ी थी जो कि इस प्रकार है–

ग्रामवासी–सर केबल।

चोलकर– कैसे ले जाओगे ?

ग्रामवासी– सर केबल।

चोलकर– मैंने कहा केबल को किस से ले जाओगे?ट्रक तो स्टोर चला गया है। हमारे पास अभी दूसरा वाहन नहीं है। कल भिजवा दूंगा।

ग्रामवासी बहुदा संक्षेप में ही बोला करते हैं। अतः आदतन उन्होंने फिर कहा। सर केबल। इस बार चोलकर जी झल्ला गये और बोल पड़े। अरे भैया केबल कैसे ले जाओग ?

ग्रामवासी– मुड म उठाके ले जाऊं (सर के बल)

उक्त मजेदार घटनाओं से श्री चोलकर जी की सेवायात्रा पूर्ण हुई और उनके साथ बिताये पल आज भी रोमांचित कर देते हैं।

वामन राव वानखेड़े
मुख्य अभियंता
कार्या. मुख्य अभियंता (परीक्षण / संचार)
छ.रा.वि.पारे.कं. मर्या. रायपुर

मुंह चिढ़ाती महंगाई

अध्यापक ने बच्चों से पूछा कि बच्चों भारत के सबसे तेज दौड़ने वाला कौन ? बच्चों ने कहा के.बी.सी. का जमाना है, पहले आपको चार विकल्पों को बताना है । अध्यापक ने उन्हें विकल्पों को यूं गिनाई । पहला शेर, दूसरा चीता, तीसरा पीटी उषा इसके पहले कि अध्यापक चौथा विकल्प कहता, एक बच्चे ने तपाक से कहा चौथा महंगाई । अध्यापक ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि तुम इतने छोटे हो तुम्हें क्या पता कि महंगाई क्या होती है ? बच्चे ने कहा कि सर पहले मुझे आठ आने में एक टाफी मिलती थी अब दुकानदार कहता है कि महंगाई दौड़ रही है कल से एक रूपये लाना, आटो वाले अंकल भी कह रहे थे, बेटे अगले महीने से आटो का किराया 400 के स्थान पर 600 रूपये लगेगा, अपने पापा को बता देना । बच्चे के क्यों पूछने पर उसने कहा कि पेट्रोल में आग लगी हुई है । बच्चे ने सहजता से कहा कि, अंकल आप झूठ बोल रहे हैं क्योंकि पेट्रोल में आग लगने पर सब कुछ जल जाता है । बुदबुदाते व खीझते हुए आटो वाले ने कहा कि रोज-रोज ऐसे महंगाई से जलने से तो वैसे एक बार जलना बेहतर होता। सर इतना ही नहीं मम्मी आज तो पापा से कह रहीं थीं कि प्याज का रूलाना तो कुछ समझ में भी आ रहा था क्योंकि यह गुण प्याज के मूल में है, लेकिन टमाटर, गोभी, मेथी, लहसून को पहली बार आग उगलते देखा है । कल से तुम्हें उबला आलू खाना पड़ेगा क्योंकि दाल फ्राई व आलू फ्राई बिना तेल के संभव नहीं है और अब तेल भी आंखे तरेरकर कह रहा है कि हिम्मत हो तो मुझे खरीद कर बताओ । फ्राई को बाद में ट्राई करना ।

बच्चे ने शिक्षक से पूछा कि सर क्या मेरा उत्तर गलत है ? शिक्षक ने भी लंबी आह भर कर कहा कि नहीं बेटा बिल्कुल सही है। हमारी महंगाई की सीढ़ी दूसरी आम सीढ़ियों से अलग होती है। आम सीढ़ियां चढ़ने व उतरने के लिए होती है लेकिन महंगाई की सरकारी सीढ़ी कुछ ऐसी धातु से बनी है कि जैसे ही महंगाई उस सीढ़ी पर चढ़ती है वह पायदान टूट जाती है । पायदान टूटने पर वह उतरेगी कैसे ? चूंकि वह एक ही जगह पर ज्यादा देर तक खड़ी नहीं रह सकती सो वह (महंगाई) जल्दी-जल्दी ऊपर चढ़ती जाती है व लोगों को मुंह चिढ़ाते हुए कहती है कि नेता, अभिनेता, सरकारी अफसर व उद्योगपती को छोड़कर बाकी 115 करोड़ लोगों को खुली चुनौती है कि साहस है तो मुझे उतारकर देखो ।

डी.एल. मूर्ति

सफलता का रास्ता

एक बार प्रसिद्ध विचारक स्वेट मार्टेन के पास एक व्यक्ति आया और बोला सर मैं काम करने की इच्छा रखता हूं । लक्ष्य भी मैनें निर्धारित कर लिया है और उसके लिए आवश्यक साधना भी मेरे पास उपलब्ध है, फिर भी न जाने क्यों मुझे मेरे कार्य में शतप्रतिशत सफलता नहीं मिलती । यदि मैं काम न करूं तो, असफल होने की बात मेरी समझ में आती है । मगर काम करते रहने पर भी नाकामयाब होते रहने की बात मेरी समझ से परे है । उस व्यक्ति की बात सुनकर स्वेट मार्टेन बोले, तुम्हारे इस प्रश्न का उत्तर बेहद सरल है । फिर भी मैं तुम्हें इसका जवाब एक उदाहरण देकर समझाता हूं । उदाहरण से तुम भलिभांति समझ जाओगे, तुम्हारे काम में क्या कमी रह जाती है । व्यक्ति बोला हाँ आप मुझे अवश्य बतायें ताकि मैं अपने में सुधार कर सकूं । स्वेट मार्टेन बोले, बहुत से लोग अपने जीवन की गाड़ी को गुनगुने पानी में चलाने की कोशिश करते हैं लेकिन वे यह नहीं जानते कि पानी को जबतक 212 डिग्री तक गर्म न किया जाय उसमें भाप नहीं बनती है । और जब तक पानी में भाप न बने तब तक इंजन गाड़ी को नहीं खींच सकता । उदाहरण सुनकर वह व्यक्ति आश्चर्य से बोला, इंजन का मेरे काम से क्या संबंध है ? स्वेट मार्टेन बोले, भाई बहुत ही गहरा संबंध है । तुम्हारे काम में उत्साह की कमी, ठीक उसी तरह असर करती है, जिस तरह गुनगुना पानी इंजन के बायलर पर जब तक पानी 212 डिग्री तक गर्म नहीं हो जाता तब तक वह इंजन को नहीं खींच सकता । उसी तरह जब तक तुम अपने काम में सम्पूर्ण आत्म शक्ति और एकाग्रता नहीं झोंक देते तब तक सफलता तुमसे दूर रहेगी । सारे साधन उपलब्ध होने पर भी मंद गति से काम करने पर मंजिल तक पहुंचना कठिन है । युवक ने उसी क्षण निश्चय किया अब वह अपने उत्साह को गुनगुने पानी की तरह मंद नहीं पड़ने देगा और सफलता पाकर रहेगा ।

कुर्यात् सदा मंगलम् कुर्यात् सदा मंगलम्

डॉ0 रश्मिता संग डॉ0 राजकमल

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर वितरण कंपनी के कार्यपालक निदेशक (संचारण–संधारण) कार्यालय रायपुर में कार्यरत कार्यपालन अभियंता श्री आर. एस.पटेल की सुपुत्री डॉ0 रश्मिता का शुभ विवाह श्री फणीन्द्र कुमार पटेल के सुपुत्र डॉ0 राजकमल के संग 8 फरवरी 2011 को चन्द्रपुर जिला जांजगीर–चांपा में संपन्न हुआ..... बधाई।

प्रीति संग नीतिन

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के डॉ0श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह कोरबा पूर्व में अधीक्षण अभियंता (मानव संसाधन) के पद पर पदस्थ श्री बी.बी.पी. मोदी की सुपुत्री सौ0कां0 प्रीति का शुभ विवाह कोरबा निवासी श्री नरेन्द्र चौरसिया के सुपुत्र चिर0 नीतिन के संग 6 मार्च 2011 को कोरबा में सानंद संपन्न हुआ..... बधाई।

नितिन पारखे संग महक

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के कोरबा पश्चिम में कार्यपालन अभियंता (सेवायें) के पद पर पदस्थ श्री सी0एन0 पारखे के पुत्र नितिन पारखे का शुभ विवाह भिलाई निवासी श्री व्ही.एन.पाल की सुपुत्र सौ0कां0 महक के साथ 20 फरवरी 2011 को भिलाई में संपन्न हुआ..... बधाई।

छाया : संजय टेम्बे, छायाकार, छ.रा.वि.हो. कं. मर्या, जनसम्पर्क कार्यालय

उल्लास के संग - होली के रंग

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत होल्डिंग कम्पनी मर्या., डंगनिया, रायपुर फोन : 0771-4066901 फैक्स : 0771-2242955 Website:www.cseb.gov.in